twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 266, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

सदन में हंगामे के बीच विधेयक पारित

विपक्ष ने बताया लोकतंत्र से धोखा, सत्तापक्ष बोला- सदन को बंधक नहीं बनाएं

एयर इंडिया की दिल्ली से वाशिंगटन की उड़ानें एक सितंबर से निलंबित

नई दिल्ली

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने 1 सितंबर से दिल्ली से वाशिंगटन के लिए अपनी सेवाएं निलंबित करने का ऐलान किया है। एयरलाइंस ने कहा कि वह कई परिचालन कारकों के कारण नई दिल्ली से वाशिंगटन के लिए अपनी उड़ानें निलंबित कर रही है। एयलाइंस ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, "एयर इंडिया ने राजधानी नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के बीच अपनी सेवाओं को 1 सितंबर से निलंबित करने की घोषणा की है। कंपनी ने ये निर्णय परिचालन संबंधी विभिन्न कारकों के कारण लिया है, ताकि एयर इंडिया के समग्र मार्ग नेटवर्क की विश्वसनीयता और अखंडता सुनिश्चित की जा सके।" कंपनी ने बताया कि ये निलंबन मुख्य रूप से एयर इंडिया के बेड़े में नियोजित कमी के कारण है, क्योंकि एयरलाइन ने पिछले माह अपने 26 बोइंग 787-8 विमानों का रेट्रोफिटिंग कार्य शुरू किया था। एयरलाइन ने कहा कि इस व्यापक रेट्रोफिट कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राहक अनुभव को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाना है। इसके लिए कम से कम 2026 के अंत तक किसी भी समय कई विमानों की अनुपलब्धता आवश्यक है।

उम्रकैद की सजा फांसी में बदलने की एनआईए की मांग पर यासिन मलिक को नोटिस

नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हत्या और टेरर फंडिंग मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को ट्रायल कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा को फांसी की सजा में तब्दील करने की एनआईए की मांग पर सुनवाई करते हुए यासिन मलिक को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विवेक चौधरी की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को करने का आदेश दिया। पटियाला हाउस कोर्ट ने 25 मई, 2022 को हत्या और टेरर फंडिंग के मामले में दोषी करार दिए गए यासिन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 10 हजार रुपये का जुमार्ना, धारा 38 और 39 के तहत पांच साल की सजा और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को भी कई बार बाधित हुई। सरकार हंगामे के बीच आवश्यक विधायी कार्यों को पूरा कराने में लगी है। राज्यसभा ने आज हंगामे के बीच मणिपुर से जुड़े बजटीय विधेयकों को संक्षिप्त चर्चा के बाद लौटा दिया। दूसरी ओर लोकसभा में सरकार ने कराधान से जुड़े विधेयक विचार के लिए पेश किए। इसके अलावा खेलों से जुड़े विधेयकों को चर्चा के बाद लोकसभा ने पारित कर दिया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आज हंगामे के बीच विधेयक पारित कराये जाने पर सवाल खड़े किए। उन्होंने इसे लोकतंत्र के साथ बहुत बड़ा धोखा करार दिया। दूसरी ओर सदन के नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि सदन को बंधक नहीं बनाया जा सकता। उन्हें आश्चर्य है कि कार्यमंत्रणा समिति में चर्चा के बाद भी विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान विपक्ष हंगामा कर रहा है। विपक्ष सालभर से मणिपुर पर चर्चा की मांग कर रहा है और अब चर्चा की बजाय हंगामा कर रहा है। लोकसभा में आज सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही करीब 15 मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित हो गयी। दोपहर दो बजे दोबारा सदन शुरू होने पर विपक्ष का हंगामा जारी रहा और इसी बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान अधिननियम (संशोधन) विधेयक, 2025 और आयकर विधेयक (न.2) लोकसभा में विचार के लिए रखे। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) (संशोधन) विधेयक 2025 विचार के लिए पेश किया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खेलों से जुड़े दो विधेयक लोकसभा में चर्चा के लिए पेश किए। संक्षिप्त चर्चा के बाद दोनों विधेयकों को पारित कर दिया गया।

बिरला ने संसदीय ढांचे को मजबूत करने के पीएम के विजन को सराहा

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों के लिए नवनिर्मित 184 फ्लैटों के उद्घाटन कार्यक्रम में संसदीय ढांचे को मजबूत करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन की सराहना की। उन्होंने नए आवासीय परिसर के उद्घाटन तथा संसद सदस्यों और जनता के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करने की निरंतर प्रतिबद्धता के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

ओम बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिनमें नए संसद भवन का समय पर निर्माण, कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की स्थापना और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, पुलिस स्मारक, भारत मंडपम, यशोभूमि और कर्तव्य भवन जैसे ऐतिहासिक भवनों का निर्माण और विकास शामिल है।

खान एवं खनिज संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। मंत्री रेड्डी ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करेगा। संसद में पेश खनन कानूनों में संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए राज्य वित्त पोषण को सक्षम बनाना है। सरकार का लक्ष्य इसके जरिए लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों सहित बेहद जरूरी खनिजों की निरंतर और बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जो परमाणु ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, दूरसंचार और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अभी इन खनिजों की आपूर्ति शृंखला पर मुख्य रूप से चीन का प्रभुत्व है।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक भी पारित

दोनों विधेयक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक, 2025 सरकार के ओलंपिक खेलों के आयोजन और खेल क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से लाए गए हैं। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 04 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा चार बजे दोबारा शुरू हुई और वित्त मंत्री ने कर से जुड़े दोनों विधेयकों को चर्चा एवं पारित कराए जाने के लिए पेश किया। दोनों विधेयक हंगामें के बीच बिना चर्चा के पारित कर दिए गए। महासचिव ने सदन को सूचित किया कि मणिपुर के बजट के संबंध में राज्यसभा से कोई सिफारिश प्राप्त नहीं हुई है। इसके बाद पीठासीन अधिकारी साधना राय ने कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया। दूसरी ओर राज्यसभा में सुबह कार्यवाही शुरू होने के कुछ दी देर बाद दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। राज्यसभा में मणिपुर के बजट से जुड़े विधेयक संक्षिप्त चर्चा के बाद लोकसभा को लौटा दिए गए। इसके बाद मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2025 केन्द्रीय मंत्री सवानंद सोनोवाल ने पेश किया। विधेयक को पेश करने के दौरान

खरगे और नड्डा ने अपनी बात रखी। हालांकि हंगामा जारी रहा और कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित की गई। सदन के दोबारा शुरू होने पर विधेयक को पारित कर दिया गया। इसके बाद केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गोवा राज्य विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2025 पेश किया। इसे हंगामें के बीच विपक्ष की अनुपस्थिति में चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इस दौरान महाष्ट्र के भाजपा सदस्य डॉ माधवराव गोपछड़े ने विशेष उल्लेख के तहत मोबाइल के अधिक उपयोग का मुद्दा उठाया और इसके प्रभाव पर अपनी बात रखी। उन्होंने माता-पिता से बच्चों के डिजिटल समय को घटाने का अनुरोध किया। मणिपुर से भाजपा सदस्य महाराजा संजाओबा लेशंबा ने अवैध प्रवासियों की समस्या का उल्लेख करते हुए स्थानीय मणिपुरी लोगों के अधिकारों के रक्षा का अह्वान किया। उन्होंने सेंसस का हवाला देते हुए मणिपुर के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती आबादी का उल्लेख किया। केन्द्र सरकार से जनसंख्या और परिसीमन की प्रक्रिया से पहले अवैध विदेशियों की पहचान करने और उन्हें डिपोर्ट करने का अनुरोध किया। इसके अलावा अन्य सदस्यों ने भी विशेष उल्लेख किया। इसके बाद पीठासीन अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी ने सदन की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया।

बच्चों ने नदियों पर दी ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को वसंत विहार स्थित मॉडर्न स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित ह्य50वां ईयर सेलिब्रेशन ऑन रिवर लाइफलाइन्स ऑफ सिवलिजेशनह्य कार्यक्रम शामिल हुई। उन्होंने यहां विद्यार्थियों के साथ नदियों और प्रकृति के महत्व पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बच्चों ने भारत की नदियों पर अद्भुत और ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक जीवन में नदियों की अमूल्य

भूमिका को बेहद सुंदर तरीके से दशार्या गया। उन्होंने कहा कि यह देख कर गर्व होता है कि हमारे बच्चे आज इतने जागरूक हो रहे हैं, तभी तो वे इतनी सूचनाप्रद और सारगर्भित प्रस्तुतियां दे पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यमुना नदी और दिल्ली को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर को आवारा कुत्तों से मुक्त कराने का निर्देश दिया

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर की सड़कों और गलियों को आवारा कुत्तों से मुक्त कराने के लिए उच्चतम न्यायालय ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद समेत एनसीआर में संबंधित प्राधिकार को निर्देश दिया है कि वो शहर को, गलियों को आवारा कुत्तों से मुक्त करें । उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सभी स्थानों से आवारा कुत्तों को पकड़कर डॉग शेल्टर होम में रखा

जाए। न्यायालय ने कहा कि अगले 6 हफ्ते में पांच हजार कुत्तों से शुरूआत करें। न्यायालय ने सख्त चेतावनी दी है कि अगर कोई कुत्ता प्रेमी व्यक्ति या संगठन इसमें बाधा बनता है, तो कोर्ट को सूचित करें। न्यायालय उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा। यह न्यायालय की अवमानना समझा जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दिल्ली एनसीआर के सभी प्राधिकार तुंरत डॉग शेल्टर बनाएं और आठ हफ्ते में कोर्ट को जानकारी दें। कोर्ट ने कहा कि कुत्तो की नसबंदी के लिए पर्याप्त लोग वहां तैनात किए जाएं। कुत्तों को सार्वजनिक जगहों पर न छोड़ा जाए। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी रखी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके इन दिशा-निर्देशों पर सख्ती से अमल हो।

भारत ने मुनीर की धमकियों को गैरजिम्मेदाराना बताया

आतंकवादी समूहों से मिली हुई सेना वाले देश में परमाणु हथियारों की सुरक्षा पर गंभीर संदेह है: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जायसवाल

नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की अमेरिका दौरे में दी गई परमाणु धमकियों को गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। भारत ने इस बात पर भी खेद जताया कि यह बयान किसी मित्र देश की भूमि से आया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगाह किया कि आतंकवादी समूहों से मिली हुई सेना वाले देश में परमाणु हथियारों की सुरक्षा पर गंभीर संदेह है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा, हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका यात्रा के दौरान कथित रूप से की गई टिप्पणियों की ओर गया है। पाकिस्तान की आदत रही है कि वह परमाणु हथियारों की धमकी देता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन धमकियों में छिपी गैरजिम्मेदारी को समझ सकता है। जायसवाल ने कहा कि यह देश (पाकिस्तान) न केवल आतंकवादी समूहों के साथ मिला हुआ है, बल्कि उसके परमाणु कमान और नियंत्रण की स्थिति भी संदिग्ध है। उन्होंने दोहराया कि भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह किसी भी प्रकार के परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा।

देश विरोधी ताकतों के दबाव में राहुल और इंडी गठबंधन लोकतंत्र को कर रहे बदनाम: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में संसद भवन से चुनाव आयोग के मुख्यालय तक विरोध मार्च को लेकर इंडी गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश विरोधी ताकतों के दबाव में राहुल गांधी और इंडी गठबंधन लोकतंत्र

को बदनाम कर रहे हैं। शिवराज सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं, ऑपरेशन सिंदूर पर झूठ बोला और जब सेना ने सारे तथ्य सामने रखे तो उनकी बोलती बंद हो गई। पहले उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाए कि ईवीएम के कारण वे चुनाव हारते हैं, सबूत मांगे तो सबूत दिए नहीं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई तो रणछोड़दास हो गए। अब ईवीएम छोड़ दिया, अब एसआईआर पर आ गए, अब वोटर लिस्ट को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या कर्नाटक में कांग्रेस वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों के कारण जीती? क्या तेलंगाना में चुनाव आयोग की गलती के कारण जीती? क्या हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस चुनाव आयोग और वोटर लिस्ट की गड़बड़ियों और गलतियों के कारण जीती?

चेन्नई में बड़े हादसे से बाल-बाल बची एयर इंडिया की फ्लाइट

विमान में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, कई सांसद थे मौजूद

नई दिल्ली

त्रिवेंद्रम से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2455 रविवार शाम को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बची। विमान में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, कई सांसद और सैकड़ों यात्री सवार थे। यह जानकारी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि फ्लाइट की शुरूआत ही देरी से हुई थी, लेकिन उड़ान भरने के करीब एक घंटे बाद अचानक तेज और अप्रत्याशित झटके (तूफानी हवाओं के कारण) महसूस हुए। इसके बाद विमान के कप्तान ने उड़ान सिग्नल में खराबी की सूचना दी और विमान को चेन्नई की ओर मोड़ दिया।

सांसदों के लिए 184 नए फ्लैटों का उद्घाटन, आवास की कमी होगी दूर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए टाइप-श्क्क बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे सांसदों के ईज ऑफ लिविंग में सुधार और सरकारी खर्च में कमी की दिशा में अहम कदम बताया। इस परिसर के चार टावर हैं। इसके नाम देश की प्रमुख नदियों कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली पर रखे गए हैं। प्रधानमंत्री ने इसके लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हाल ही में कर्तव्य पथ पर केंद्रीय सचिवालय ह्यकर्तव्य भवनह्व का लोकार्पण हुआ था और अब सांसदों के लिए यह नया आवास परिसर तैयार हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टॉवर के नाम नदियों के नाम रखने

की परंपरा देश की एकता को मजबूत करती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि नए आवास पुराने सांसद भवनों की जर्जर स्थिति से मुक्ति देंगे। पहले सांसदों को बार-बार आवास संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब वे इन समस्याओं से मुक्त होकर जनता की समस्याओं के समाधान में अधिक समय और ऊर्जा लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहली बार सांसद बनने वालों को दिल्ली में आवास आवंटन में आने वाली कठिनाइयों को भी यह परियोजना दूर करेगी। इन बहुमंजिला इमारतों में 180 से अधिक सांसद एक साथ रह सकेंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि पहले कई मंत्रालय किराए की इमारतों में चलते थे, जिन पर हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये खर्च होते थे। सांसद आवास की कमी भी सरकारी खर्च बढ़ाती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2004 से 2014 तक लोकसभा सांसदों के लिए एक भी नया आवास नहीं बना था, जबकि 2014 के बाद इसे मिशन मोड में लिया गया। अब तक इन फ्लैटों समेत लगभग 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं, जिससे जनता का पैसा बच रहा है। उन्होंने इस निर्माण में जुड़े इंजीनियरों और श्रमिकों की मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन आवासों में सतत विकास के मानकों का पालन किया गया है।

आपदा से प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार - सीएम पुष्कर धामी

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने की है। खराब मौसम के बावजूद अब तक 1000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ देश भर से आए तीर्थयात्री भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को जिला अस्पताल, एम्स में भर्ती किया गया है। सभी को अच्छा इलाज मिले, इसकी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि हर्षिल व धराली क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में दवा, दूध, राशन, कपड़े पहुंचाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर्षिल क्षेत्र में बिजली आपूर्ति के लिए उरेडा का पावर हाउस चालू किया गया है। यूपीसीएल द्वारा बिजली तारों की मरम्मत की जा रही है। मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा को बहाल करने की कोशिश की जा रही है। साथ ही 125 केवी के दो जनरेटर सेट भी आपदा क्षेत्र में पहुंच गए हैं। हर्षिल क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी को ठीक किया जा रहा है। गंगनानी में बेली ब्रिज का निर्माण तेजी से हो रहा है। भूस्खलन की चपेट में आई सड़कों को भी जल्द ठीक कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक हर्षिल तक सड़क मार्ग को पूरी तरह ठीक करने की संभावना है, जिसके बाद अन्य कामों को भी तेजी से पूरा किया जा

सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के स्तर से प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा। आपदा से जिन लोगों के मकान पूर्णतः क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उनके पुनर्वास या विस्थापन के लिए 5 लाख रुपए की तत्काल सहायता राशि जारी की जाएगी। सीएम धामी ने आगे कहा कि ग्राम वासियों के पुनर्वास के लिए सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जो प्रभावित हुए लोगों के पुनर्वास, विस्थापन एवं हानि का आकलन करेगी। उन्होंने कहा कि आपदा से सेब के बगीचों को हुए नुकसान का भी आकलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली के साथ ही प्रदेश के अन्य स्थानों में भी आपदा से तबाही हुई है। उन्होंने कहा कि पौड़ी के सैंजी और बांकुड़ा गांव में भी जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भी राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में जहां भी आपदा से हानि हुई है, उन्हें सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उनके ही नेतृत्व में केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन के लिए विशेष समिति गठित

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व हाईकोर्ट जज को सौंपी जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के रोजमर्रा के कामकाज और पर्यवेक्षण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अशोक कुमार की अध्यक्षता एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया। यह समिति तब तक मंदिर प्रबंधन का कामकाज देखेगी, जब तक यूपी सरकार के अध्यादेश मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट अपना फैसला नहीं सुना देता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समिति मंदिर के सुचारू संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर काम करेगी, जिनमें स्वच्छ पेयजल, कार्यशील शौचालय, पर्याप्त आश्रय और बैठने की व्यवस्था, भीड़ के आवागमन के लिए समर्पित गलियारे, तथा बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि उच्चाधिकार प्राप्त समिति श्रीबांके बिहारी मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास की योजना बनाने का प्रयास करेगी। पीठ ने कहा कि इसके लिए वे जरूरी भूमि की उपयुक्त खरीद के लिए निजी तौर पर बातचीत कर सकती है। यदि ऐसी कोई बातचीत नहीं होती है, तो राज्य सरकार को कानून के अनुसार भूमि अधिग्रहण के लिए आगे बढ़ने का निर्देश दिया जाता है। शीर्ष अदालत ने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि गोस्वामियों का प्रतिनिधित्व करने वाली समिति के 4 सदस्यों के अलावा, किसी अन्य गोस्वामी या सेवायत को मंदिर प्रबंधन में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं है।

समिति में ये होंगे सदस्य

सुप्रीम कोर्ट के लिखित आदेश में कहा है कि जब तक हाईकोर्ट इस मामले पर अपना फैसला नहीं सुनाता, तब तक शीर्ष अदालत की तरफ से गठित कमेटी मंदिर की पूरी जिम्मेदारी संभालेगी। समिति में बांके बिहारी मंदिर का प्रबंधन देखने के लिए गठित समिति में अध्यक्ष के अलावा समिति में 12 अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अशोक कुमार की अध्यक्षता वाली समिति में यूपी के रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकेश मिश्रा, मथुरा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिविल जज, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, एक प्रसिद्ध वास्तुकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का एक प्रतिनिधि और दोनों गोस्वामी समूहों से दो-दो सदस्य शामिल हैं।

मोकामा के बाहुबली अनंत सिंह ने की मुख्यमंत्री नीतीश से मुलाकात

एजेंसी

पटना। बिहार में पटना जिले के मोकामा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने शाम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की, जिससे यह अटकलें तेज हो गईं कि वह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) का टिकट मांगने के लिए यहां आए थे। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक अनंत सिंह क 115 मिनट की यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सिंह का हालचाल भी पूछा। बताया जाता है कि बातचीत के दौरान,

अनंत सिंह ने जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर मोकामा विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की और नीतीश कुमार का आशीर्वाद और समर्थन मांगा। अनंत सिंह, जिन्हें हाल ही में पटना उच्च न्यायालय से जमानत मिली थी, लगभग 15 मिनट तक मुख्यमंत्री आवास पर रहे। जाते समय उन्होंने मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया और सीधे अपने घर चले गए। यह मुलाकात एक अन्य प्रमुख नेता आनंद मोहन, उनकी पत्नी लवली आनंद और बेटे चेतन आनंद के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के तुरंत बाद हुई है। एम्स में उनके इलाज को लेकर उठे विवाद के बाद चेतन आनंद की मुख्यमंत्री से यह पहली मुलाकात थी।

पंजाब पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया एंटी ड्रोन सिस्टम

चंडीगढ़। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एंटी-ड्रोन प्रणाली (एडीएस) को तैनात करने वाला पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है। शनिवार को सीमा पार से नशे की तस्करी रोकने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल

ने 'बाज आंख' एंटी-ड्रोन प्रणाली (एडीएस) वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मान ने कहा कि पठानकोट से फाजिल्का तक सीमा पर दूसरी सुरक्षा पंक्ति के रूप में यह एंटी-ड्रोन प्रणाली तैनात की जाएगी। मीडिया से बातचीत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस पहल से नशे के खिलाफ मुहिम में एक और अध्याय जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की नशा तस्करों से मिलीभगत के कारण यह अभिशाप राज्य में फैल गया था। 'आप' सरकार ने नशे के खिलाफ बड़ी जंग छेड़ी है और इस कारोबार में शामिल बड़े अपराधियों को सलाखों के पीछे डाला गया है। उन्होंने कहा कि सीमा पार से पंजाब में नशे की सप्लाई की जा रही है और उन्हें रोकने के लिए यह एंटी-ड्रोन प्रणाली शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि पंजाब को इस लानत से मुक्त करने के लिए तीन एंटी-ड्रोन प्रणालियां शुरू की गई हैं और छह और जल्द शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान से पंजाब की 553 किलोमीटर सीमा लगती है, जिसे नशा और हथियारों की तस्करी के लिए सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और ड्रोन-आधारित तस्करी से पैदा हुई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नौ एंटी-ड्रोन यूनिट स्थापित किए जा रहे हैं।

शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी देती है समाज को नई दिशा-बिरला

एजेंसी

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बेटा-बेटी सभी को शिक्षा देना समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार बताते हुए कहा है कि शिक्षित और संस्कारित पीढ़ी ही समाज का नेतृत्व और विकास की नई दिशा तय कर सकती है। श्री बिरला यहां विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वीर कोटिया भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आदिवासी समाज के अमूल्य योगदान को नमन किया और इस मौके कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने आग्रह किया कि परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ एकजुट रहकर समाज को नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ाएं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा सहित उन सभी वीर आदिवासी महापुरुषों को याद किया, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ-साथ देश की संस्कृति, परंपराओं और स्वतंत्रता

आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस उन सभी आदिवासी भाइयों-बहनों के साहस और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी प्रकृति और संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व, संघर्ष और त्याग को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। श्री बिरला ने कोटिया भील के संघर्ष, सेवा और बलिदान को भी श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि कोटिया भील ने आदिवासी समाज के आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन-चरित्र नई पीढ़ी को त्याग और समर्पण की राह दिखाता है। इस दौरान आदिवासी बहनों ने श्री बिरला को राखी बांधी और उन्होंने उन्हें रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

सेना पर सवाल उठाने वालों को शर्म आनी चाहिए : हिमंत बिस्व सरमा

वायुसेना प्रमुख के बयान के बाद हिमंत का कांग्रेस पर वार

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के बयान के बाद कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर एयर चीफ मार्शल की टिप्पणी कांग्रेस के लिए शर्मनाक है, क्योंकि पार्टी ने पाकिस्तान समर्थित नैरेटिव को आगे बढ़ाया और हमारी सेनाओं की बहादुरी को कमतर बताया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा

कि कांग्रेस को अपने सिर पर शर्म का बोझ महसूस करना चाहिए। सरमा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने भारत के नुकसान को लेकर झूठ फैलाए, जबकि अब हमारे पास दुश्मन को हुए नुकसान के ठोस और प्रमाणित सबूत हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पाकिस्तानी स्रोत से निकली एक और अफवाह फैलाई कि मोदी सरकार ने सेना की परिचालन क्षमता पर प्रतिबंध लगाए, जिसे अब पूरी तरह खारिज कर दिया गया है।

वायुसेना प्रमुख के बयान को बताया सबूत

सरमा ने वायुसेना प्रमुख के बयान को सबूत मानते हुए कहा कि यह साबित करता है कि मोदी सरकार ने सेना की ताकत को सीमित नहीं किया, बल्कि उसे मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने दुष्प्रचार के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हमारे सशस्त्र बलों के साहस को कमतर आंकना देशहित के खिलाफ है।

धराली आपदा: चार दिनों में कुल 1126 लोग सुरक्षित रेस्क्यू

चार दिनों में विभिन्न हेलीकॉप्टरों का कुल 257 सार्टी

एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली में आई प्राकृतिक आपदा में प्रभावित क्षेत्रों से चार दिनों में कुल 1126 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। हर्षिल घाटी में खाद्य सामग्री की किल्लत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जल पुलिस को सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए नाव और धराली में हर दिन दो हजार लीटर डीजल भेजा जाएगा। सचिव गृह शैलेश बगौली शाम करीब 07 बजे राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचे और उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्या से दिनभर के रेस्क्यू अभियान का अपडेट लिया। हर्षिल और धराली में डीजल की किल्लत न हो, इसके लिए सचिव गृह ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अपर आयुक्त पीएस पांगती को हर दिन 2000 हजार लीटर डीजल भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 20 से 25 रसोई गैस के सिलेण्डर भी हर्षिल और धराली में भेजने को कहा। शैलेश बगौली ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर्षिल घाटी में खाद्य सामग्री की किल्लत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जब तक सड़कें बहाल नहीं होती तब तक घोड़े और खच्चरों के जरिये आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने बीआरओ के अनुरोध पर धराली में जल पुलिस को सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए जल्द से जल्द नाव भेजने के निर्देश दिए। सचिव गृह ने बताया कि युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए गए। कुल 480 लोगों को हर्षिल और नेलांग से लाकर जौलीग्रांट, मातली और चिन्यालीसौंड से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

सीतारमण श्रीकृष्ण मठ में 'भारत लक्ष्मी' उपाधि से सम्मानित

मानव सेवा ही ईश्वर सेवा- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उडुपी के श्री कृष्ण मठ में पर्याय पुत्तिगे मठ के सुगुणेन्द्र तीर्थ स्वामी ने 'भारत लक्ष्मी' की उपाधि प्रदान की। सीतारमण मंदिर नगरी उडुपी इसलिए आई थीं, ताकि मठ के चारों ओर बने 'याली' (पारंपरिक शैली के विशेष ढांचे) का उद्घाटन कर सकें। सुगुणेन्द्र तीर्थ स्वामी ने सम्मान पत्र पढ़ते हुए सीतारमण की 'ईमानदारी और समर्पण' की प्रशंसा की, जो उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में दिखाया है। इस सम्मान को पाकर भावुक हुईं सीतारमण ने याद किया कि वह पहली बार 2005 में उडुपी आई थीं, तब उन्हें एक कृष्ण प्रतिमा मिली थी, जिसकी वह आज भी पूजा करती हैं।

उन्होंने 'अष्ट मठों' की 'सेवा की संस्कृति' की सराहना की और हर दिन हजारों भक्तों को भोजन कराए जाने की 'अन्नब्रह्म' परंपरा को 'भक्ति और समर्पण' का प्रतीक बताया। उन्होंने पुत्तिगे स्वामी द्वारा चलाए जा रहे 'कोटि गीता लेखना यज्ञ' की भी सराहना की, जिसमें एक करोड़ हाथ से लिखी गई भगवद गीता की प्रतियां एकत्र की जा रही हैं। उन्होंने इसे भगवान श्रीकृष्ण के संदेश को पूरे विश्व में फैलाने का अद्भुत प्रयास बताया। उन्होंने कहा, मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। साथ ही उन्होंने यह भी प्रार्थना की, भगवान कृष्ण हमारे देश, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सभी लोगों को आशीर्वाद दें। इस अवसर पर अदमार मठ के विश्वप्रिय तीर्थ स्वामी भी मौजूद थे। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दिनेश कुमार को भी इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

मप्र के सागर जिले की बेबस नदी में डूबे चार युवकों की मौत, सभी के शव बरामद

एजेंसी

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिला स्थित ग्राम सानौधा में पिकनिक मनाने पहुंचे चार दोस्तों की बेबस नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। चारों दोस्त एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में खुद भी पानी में समा गए। चारों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने शवों पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर के मोतीनगर क्षेत्र के रहने वाले पांच युवक बेबस नदी के रिछावर घाट पर पिकनिक मनाने पहुंचे थे। इस दौरान चार दोस्त नहाने के लिए पानी में

उतरे थे। वे नहाते समय गहरे पानी में चले और डूब गए। एक युवक घाट पर खड़ा था। उसने घटना की सूचना गांव वालों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से सर्चिंग शुरू करवाई। वहीं एसडीईआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाती रही, लेकिन अंधेरा और मुश्किल हालात के चलते रात में तलाशी अभियान रोकना पड़ा। नायब तहसीलदार बहादुर सिंह ने बताया कि सुबह फिर सर्चिंग अभियान शुरू किया गया और दोपहर तक नदी में डूबे चारों युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। चार युवकों में तीन युवक खुशीपुरा और एक रिछावर गांव का रहने वाला था। सभी की उम्र 22 से 25 साल की है। अभिषेक पुत्र सुनील अहिरवार भी घाट पर ही खड़ा था, जो सुरक्षित है, जबकि नदी में डूबे चारों युवक सनी पुत्र रमेश अहिरवार राज पुत्र साहब अहिरवार और सुमित फूलचंद अहिरवार तीनों निवासी खुशीपुरा, मोतीनगर तथा निखिल पुत्र महेंद्र अहिरवार, निवासी रिछावर की मौत हो गई है।

नागपुर के कोराड़ी देवी मंदिर हादसे में 17 घायल

निर्माणाधीन ढांचा गिरने से मलबे में फंसे कई मजदूर

एजेंसी

नागपुर। नागपुर के कोराड़ी देवी मंदिर परिसर में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। मंदिर के निर्माणाधीन गेट का हिस्सा अचानक ढहने से 17 मजदूर घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों का कहना है कि मलबा हटाने का काम जारी है और घटना की जांच की जा रही है। यह हादसा नागपुर के खापरखेड़ा से कोराड़ी मंदिर मार्ग पर तब हुआ, जब मंदिर के मुख्य द्वार का निर्माण कार्य

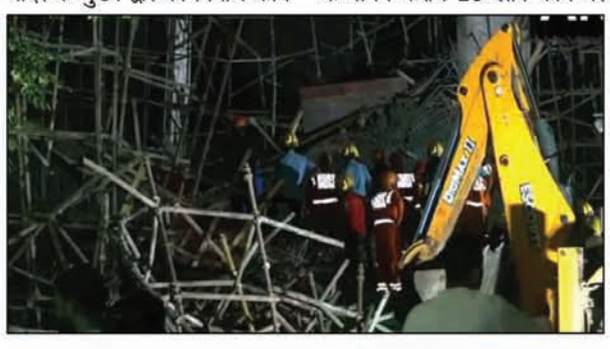

चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मजदूर ढांचे के नीचे काम कर रहे थे, तभी अचानक तेज कंपन के बाद पूरी संरचना गिर पड़ी। घटना के समय करीब 20 लोग काम पर थे, जिनमें से 17 घायल हो गए। गेट का गिरना इतना तेज और अचानक था कि मजदूरों को संभलने का समय नहीं मिला।

जांच और शुरुआती कारण

अधिकारियों का कहना है कि हादसा संभवतः निर्माण कार्य के दौरान इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के कंपन की वजह से हुआ। इससे ढांचे की स्थिरता कमजोर हुई और पूरी संरचना एक साथ गिर पड़ी। घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। मलबा करीब 4-5 फुट ऊंचा है और पूरी तरह हटाने में समय लग सकता है। स्थानीय प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी है ताकि आगे कोई हादसा न हो।

दिल्ली के जलभराव ने सरकार के दावों की खोली पोलः देवेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आज रक्षाबंधन के दिन दिल्ली के कई क्षेत्रों में भारी जलभराव में उतरकर दिल्ली सरकार के खोखले दावों की पोल खोल दी। उन्होंने करोल बाग में सड़कों पर जलभराव में उतरकर जनता की तकलीफों को खुद महसूस करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने दिल्ली में कुछ सुधार नहीं किया। देवेंद्र यादव ने कहा कि 01 से 31 अगस्त तक स्वच्छता अभियान के तहत दिल्ली को बदलने का दावा करने वाली मुख्यमंत्री के झूठ की पोल पूरी तरह खुल चुकी है। मुख्यमंत्री ने 9 जुलाई को भारी बारिश के बाद दावा किया था कि राजधानी में अब कोई जलभराव नहीं होगा, परंतु आज पूरी दिल्ली जलभराव के कारण डूब गई है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जलभराव को रोकने के लिए गाद निकालने और अन्य नागरिक कार्यों के लिए पहले ही करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी जब राजधानी के अधिकांश इलाकों में जलजमाव देखने को मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जलभराव और ट्रैफिक जाम को रोकने के सभी आवश्यक कदम उठाने और आश्वासन देने के बावजूद एक बार फिर दिल्ली बारिश के बाद पानी में डूब गई। राजधानी में भारी बारिश के बाद दिल्लीवासियों को रक्षा बंधन की सुबह सड़कों भारी जलभराव और चौक जाम को झेलना पड़ा।

दिल्ली बॉर्डर पर बढ़ेगी निगरानी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा को लेकर कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है। दिल्ली में हुई कई राज्यों की पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों की मीटिंग के बाद ड्रोन उड़ाने वालों पर पुलिस की खास नजर रहेगी। इसके साथ ही बॉर्डर पर होने वाली गतिविधियों पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा को लेकर पुलिस ने निर्देश जारी कर दिए हैं। शहर के सभी होटल, पीजी और गेस्ट हाउस में ठहरने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने इनके संचालकों को पहले से ही निर्देश दिया हुआ है कि वह अपने वहां पर ठहरने वाले सभी लोगों की जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करें। इससे पुलिस को पता रहेगा कि कौन- कौन व्यक्ति ठहर रहे हैं। जिस जगहों पर विदेशी नागरिक ठहरते हैं वहां पर पुलिस की तरफ से अतिरिक्त सतर्कता रखी जाएगी। पुलिस की तरफ से नए किरायेदारों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। इसको लेकर स्थानीय पुलिस के साथ ही खुफिया विभाग भी अपने स्तर पर जानकारी में जुटा हुआ है।

राजधानी में खतरे के निशान के पास बह रही यमुना

नई दिल्ली। राजधानी में यमुना नदी खतरे के निशान के पास बह रही है। ऐसे में यमुना पुराने रेलवे पुल पर सुबह 9 बजे 204.40 मीटर के निशान पर पहुंच गई, जो 204.50 मीटर के चेतावनी स्तर के करीब है। इसको मद्देनजर रखते हुए स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। वहीं, केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है। उन्होंने कहा कि जलस्तर में वृद्धि हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के चलते होने की संभावना है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, वजीराबाद बैराज से हर घंटे लगभग 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से लगभग 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, चेतावनी का निशान 204.5 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.3 मीटर है, और निकासी 206 मीटर पर शुरू होती है। बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं। ऊपरी इलाकों से कम पानी छोड़े जाने पर भी जल स्तर बढ़ रहा है, जो दिल्ली में चेतावनी के निशान के करीब पहुंच रहा है।

मेनहोल में गिरकर ढाई साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र के खेड़ा खुर्द गांव में सुबह गली में खेलने के दौरान ढ़ाई वर्षीय बच्चा खुली नाली में गिर गया। नाली से होता हुआ वह सीवर में चला गया। करीब पांच घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद बच्चे को सीवर से बाहर निकाला गया। उसे तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की शिनाख्त निकुंज के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक निकुंज

अपने पिता पंकज, मां और दो बड़ी बहनों के साथ खेड़ा खुर्द स्थित लोहार वाली गली में रहता था। शनिवार सुबह करीब 10 बजे निकुंज घर के बाहर गेंद खेल रहा था। गेंद नाली में चला गया। वह गेंद को निकालने के लिए नाली की ओर दौड़ा, तभी उसका पैर फिसला और वह नाली में गिर गया। नाली से होते हुए वह सीधा सीवर के अंदर चला गया। बारिश होने की वजह से नाले में पानी का पानी का तेज बहाव था। निकुंज के गायब होने की जानकारी के बाद परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन कहीं बच्चा नहीं मिला। उसके बाद परिवार वालों ने आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिसमें पता चला कि बच्चा नाली में गिर गया है। पीड़ित परिवार ने इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दी। पुलिस और अन्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों ने बच्चे की तलाश शुरू की।

पंजाब से कश्मीर घाटी पहुंची पहली मालगाड़ी, पीएम मोदी बोले- बढ़ेगी प्रगति और समृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में वाणिज्य और कनेक्टिविटी के लिए यह एक बेहतरीन दिन है। इससे प्रगति और समृद्धि दोनों बढ़ेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब से पहली मालगाड़ी कश्मीर घाटी में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची, जो कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। रेलवे नेटवर्क द्वारा परिवहन से कश्मीर घाटी में रहने वाले हमारे नागरिकों के लिए लागत कम होगी।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने

कहा कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दर्शाता है। इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त की रात 11:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेंट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त की शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (जीएसीएल) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक वेब-9 लोकोमोटिव द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दर्शाता है। इस पहली मालगाड़ी का आगमन न सिर्फ एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

ट्रंप-पुतिन बैठक पर सहमति का भारत ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष ब्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक के लिए बनी सहमति का स्वागत करते हुये भारत ने कहा कि यूक्रेन में शांति स्थापना के प्रयासों में समर्थन के लिए वह तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अमेरिका और रूस के बीच 15 अगस्त को अलास्का में बैठक के लिए बनी सहमति का भारत स्वागत करता है।' बयान में कहा गया है, इस बैठक में यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने और शांति की स्थापना की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर कहा है, यह युद्ध का युग नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत इस बैठक का समर्थन करता है और इन प्रयासों में सहयोग के लिए तैयार है।

इससे पहले श्री ट्रंप ने कहा था कि वह 15 अगस्त को अलास्का में श्री पुतिन के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मेरे और पुतिन के बीच बैठक अगले शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 को (अमेरिका के) अलास्का प्रांत में होगी।'

'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' की वर्षगांठ पर कांग्रेस ने टॉउन हॉल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भारत छोड़ो आंदोलन दिवस की वर्षगांठ पर चांदनी चौक के ऐतिहासिक टॉउन हॉल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने ने कहा कि आज जिस स्वतंत्र हवा में हम सांस ले रहे है, उसके लिए आज ही के दिन 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा देते हुए अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की।

इसके 5 वर्षों के बाद 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों को देश छोड़कर जाना पड़ा। आज के दिन को क्रांति दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर देवेंद्र यादव के अलावा पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार हारुन यूसुफ, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक हरीशंकर गुप्ता और आसिफ मौहम्मद खान मौजूद रहे। देवेंद्र यादव ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं उस कांग्रेस पार्टी का सैनिक हूं जिसने देश को आजादी दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश

को शिक्षा, तकनीकी के क्षेत्र दुनिया के बराबर लाकर खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि 9 अगस्त उन क्रांतिकारियों को याद करने का दिन है, जो देश को आजादी दिलाने के लिए शहीद हुए थे। उन क्रांतिकारियों के बलिदान को भुलाया नही जा सकता। आंदोलन के आगाज के बाद अंग्रेजों ने 60 हजार से अधिक लोगों को जेल में डाल दिया। देश भर में छिड़े आजादी के आंदोलन में नेता ही नही आम जनता, महिलाएं, छात्र, किसान और मजदूर भी महात्मा गांधी के संदेश पर अपने प्राणों की चिंता किए बिना खुलकर शामिल हुए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री को जलभराव और जल संकट को लेकर लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जलभराव और गंभीर जल संकट को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि जलभराव की वजह से कई इलाकों में यातायात ठप है और कई इलाकों में पानी लोगों के घरों में घुस गया है। जलभराव ने कालकाजी में संकट पैदा कर दिया है। गिरि नगर भूमिगत जलाशय (यूजीआर) का पंपिंग स्टेशन बारिश के बाद पूरी तरह पानी में डूब गया है। यह यूजीआर और इसका पंपिंग स्टेशन एक महत्वपूर्ण सुविधा है जो कालकाजी, गिरि नगर, गोविंदपुरी और गोविंदपुरी एक्सटेंशन के बड़े इलाकों में पानी की आपूर्ति करता है। पंप पूरी तरह पानी में डूबे हुए हैं और इसलिए काम नहीं कर रहे हैं। इसकी वजह से कालकाजी, गिरि नगर, गोविंदपुरी और गोविंदपुरी एक्सटेंशन में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। आतिशी ने पत्र में लिखा कि दिल्ली सरकार के इस कुप्रबंधन के कारण, कालकाजी के निवासियों को कम से कम 2-3 दिनों तक पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। हजारों घरों को पानी की आपूर्ति करने वाला यह पंपिंग स्टेशन बंद पड़ा है और आपकी सरकार की ओर से भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। आज जब पूरा देश रक्षाबंधन का महत्वपूर्ण त्यौहार मना रहा है, कालकाजी के लोग गिरि नगर यूजीआर में पानी के पंप खराब होने का दंश झेलने को मजबूर हैं। इलाके में पहले से ही पानी की भारी किल्लत है, मैंने विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाया था। पंपिंग स्टेशन बंद होने से मामला और भी बदतर हो गया है। आतिशी ने कहा कि यह सिर्फ कालकाजी का मामला नहीं है। कुछ ही घंटों की बारिश ने पूरे शहर को थाम सा दिया है। हर जगह जलभराव है। आपकी सरकार की उदासीनता के कारण रक्षाबंधन मनाने के लिए यात्रा करने वाले लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह प्रशासनिक लापरवाही का सीधा परिणाम है। बार-बार चेतावनी के बावजूद सरकार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करने में विफल रही है। ऐसा लगता है कि मात्र छह महीनों में चार इंजनों वाली भाजपा की सरकार ठप हो गयी है। ऐसी स्थिति न केवल निवासियों के लिए गंभीर कठिनाई पैदा करती है, बल्कि मानसून संबंधी चुनौतियों से निपटने में प्रशासन की तैयारियों पर भी चिंताएं पैदा करती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे लोक निर्माण एवं जल संसाधन मंत्री प्रवेश साहिब सिंह को क्षेत्र में जलापूर्ति बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दें।

कपिल सिब्बल बोले-जगदीप धनखड़ लापता, मुझे चिंता है, अमित शाह से जानकारी मांगी, बोले-नहीं बताया तो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक सार्वजनिक जीवन से गायब होने को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सिब्बल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस मामले में स्पष्ट बयान देने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जानकारी नहीं दी गई, तो वे सुप्रीम कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करेंगे। सिब्बल ने कहा, मुझे उनकी चिंता हो रही है। इस्तीफे के बाद से हमें उनकी कोई जानकारी नहीं है। पहले 'लापता लेडीज' के बारे में सुना था, लेकिन यह पहली बार है जब 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में सुन रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि गृह मंत्रालय को धनखड़ के बारे में निश्चित तौर पर जानकारी होगी, और इसलिए अमित शाह को खुद इस पर सार्वजनिक बयान देना

चाहिए।सिब्बल का दावा है कि उन्होंने फोन पर संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन धनखड़ के पीए ने केवल इतना कहा कि 'वे आराम कर रहे हैं।' इसके बाद न तो कॉल रिसीव हुआ, न कोई जवाब मिला। कई अन्य नेताओं ने भी यही शिकायत दोहराई है।

राज्यसभा में चर्चा की कोशिश नाकाम

7 अगस्त को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे पर चर्चा के लिए दी गई द्रुरूसांसद अब्दुल वहाब की स्थगन सूचना को नियम 267 के तहत खारिज कर दिया।

इस्तीफा और विवाद

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर अपना पद छोड़ दिया था। यह जानकारी 22 जुलाई को राज्यसभा में दी गई।

लेकिन विपक्षी दलों का मानना है कि यह इस्तीफा केवल स्वास्थ्य कारणों से नहीं, बल्कि संभवतः किसी राजनीतिक दबाव का नतीजा है। 74 वर्षीय धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक तय था। खास बात यह है कि इस्तीफे से ठीक 11 दिन पहले, 10 जुलाई को उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था–ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।

आयोग ने फिर कहा-राहुल शपथ दें या माफी मांगे

एजेंसी

नई दिल्ली। । चुनाव आयोग ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप में फिर कहा है कि इस मामले में वह शपथ पत्र दें या देश से माफी मांगे। आयोग के सूत्रों ने फिर दोहराया कि श्री गांधी वोट चोरी का जो भी आरोप लगा रहे हैं अगर

वही सही है तो उसको लेकर वह शपथ पत्र दें और यदि वह ऐसा नहीं करते हैं वह देश से माफी मांगे। आयोग ने पहले भी इसी तरह से श्री गांधी से शपथ पत्र देने या माफी मांगने के लिए कहा था। श्री गांधी ने दो दिन पहले यहां प्रेस कांफ्रेंस कर सबूतों के साथ कर्नाटक की महादेवपुरा सीट का विवरण देते हुए बताया कि इस सीट में असंख्य फर्जी पते पर मतदाता पहचान पत्र बनाये गये हैं और एक ही पते पर दर्जनों लोगों के नाम दर्ज हैं। इस संबंध में उन्होंने कई सबूतों के साथ दस्तावेज पेश किये और आरोप लगाया कि एक लाख से अधिक फर्जी वोट तैयार किये गये हैं।

पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार के अस्पताल में लगी भीषण आग, एक की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। । पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार स्थित एक अस्पताल में भीषण आग लग गई, जिससे मरीजों में हड़कंप मच गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत की खबर आ रही है। यह घटना शाहदरा के आनंद विहार थाना क्षेत्र में स्थित कॉसमॉस स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल की है, जहां अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरे अस्पताल में धुआं भर गया, जिससे मरीजों का दम घुटने लगा। इसके साथ ही कॉसमॉस स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में जो मरीज एडमिट थे, वे क्रिटिकल केस में पहुंच गए, उन्हें तुरंत रेस्क्यू कर पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में काम करने वाले लोग भी बेहोशी की हालत में रेस्क्यू किए गए। दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इसके साथ ही मरीजों को निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया गया। इस दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर का प्रयोग कर अधिकारियों ने अस्पताल के अंदर प्रवेश किया। अस्पताल के शीशे को तोड़कर मरीजों और स्टाफ को बाहर निकाला गया। स्टाफ ने बताया कि धुएं की वजह से चारों ओर अंधेरा था। सांस लेने में दिक्कत हो रही थी।

घटना के बाद दमकल विभाग के अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कॉसमॉस स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के ग्राउंड फ्लोर में दोपहर 12:12 बजे आग लगी और धुआं ऊपर वाले फ्लोर की ओर से उठ रहा था। मौके पर फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम मरीजों का रेस्क्यू कर रही थी और दूसरी टीम आग बुझा रही थी। करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल से 11 लोगों का रेस्क्यू किया गया, जिसमें से एक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमित के रूप में हुई है, जो अस्पताल में काम करता था।

युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी मेंगोलीकांड हुआ। एक युवक को सिर में गोली मार दी गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय कपिल के रूप में हुई है। घटना के कुछ ही घंटे बाद पुलिस ने आरोपित 20 वर्षीय शिवम यादव को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद हुई है। जांच में पता चला कि कपिल का शिवम की बहन से संबंध था। इससे आरोपित नाराज था। कुछ दिन पहले कपिल ने शिवम की पत्नी पर टिप्पणी भी की थी। इसी का बदला लेने के लिए आरोपित ने हत्या की योजना बनाई।

कपिल सी-बलॉक नंद नगरी में रहता था। उसके परिवार में तीन भाई, दो बहनें और मां हैं। पिता की मौत हो चुकी है। कपिल एसी रिपेयरिंग का काम करता था और शिवम को भी उसने यही काम सिखाया था। क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

विधानसभा मानसून सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही का संचालन करते विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि आठवीं विधानसभा का तीसरा सत्र 4 से प्रारंभ होकर 8 अगस्त को पांच बैठकों के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया। इस दौरान कुल 19 घंटे 40 मिनट की अवधि में विधायी, वित्तीय और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर व्यापक एवं सार्थक चर्चाएं हुईं। इस सत्र के लिए 28 जुलाई को सदस्यों को समन जारी किया गया था और बैठकें 4, 5, 6, 7 और 8 अगस्त को आयोजित हुईं।

विजेंद्र गुप्ता ने एक बयान में बताया कि नियम 280 के अंतर्गत कुल 171 विशेष उल्लेख सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 62 विषय सदन में उठाए गए। ये विषय दिल्ली के नागरिक, प्रशासनिक और नीतिगत मसलों से संबंधित थे जिन्हें संबंधित विभागों को भेजकर 30 दिनों के भीतर उत्तर देने के निर्देश दिए गए हैं। इस सत्र में तीन महत्त्वपूर्ण विधेयक पारित किए। इसमें दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक,

2025, दिल्ली माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और दिल्ली माल एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि 2022 में उद्घाटित तथाकथित 'फांसी घर' के विषय में सदन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इसके निर्माण पर 1,04,49,279 रुपये खर्च हुए, जिससे विधानसभा की धरोहर इमारत को क्षति पहुंची और जनता को गुमराह किया गया।

उन्होंने बताया कि महत्त्वपूर्ण अभिलेख एवं प्रतिवेदन सदन पटल पर रखे गए। इसमें वित्तीय एवं विनियोग लेखा, वर्ष 2023-24,भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षककी वित्त, विनियोग लेखा, राज्य वित्त और भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण पर रिपोर्टें शामिल हैं। इसके साथ-साथ दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग, जियोस्पैशियल दिल्ली लिमिटेड, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली की रिपोर्टें सदन में प्रस्तुत की गई। निर्माण श्रमिक कल्याण पर सीएजी की रिपोर्ट को आगे की जांच के लिए लोक लेखा समिति को भेजा गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि तीसरे सत्र ने न केवल महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को आगे बढ़ाया बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और ऐतिहासिक सत्यनिष्ठा के मूल्यों को भी कायम रखा। गंभीर बहस, जन मुद्दों की गहन समीक्षा और महत्वपूर्ण कानून पारित कर सदन ने एक बार फिर दिल्ली की जनता और संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण दिया है।

दिल्ली के करावल नगर में पत्नी और दो बच्चों की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर की शहीद भगत सिंह कॉलोनी में रक्षा बंधन के दिन एक सनसनीखेज हत्याकांड हुआ। सुबह करीब 7:15 बजे एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों की गला घोंटकर हत्या कर दी।पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान 28 वर्षीय जयश्री, 7 वर्षीय इशिका और 5 वर्षीय अंटू के रूप में हुई। जयश्री रक्षा बंधन पर मायके जाने की जिद कर रही थी। पति प्रदीप कुमार (33) ने गुस्से में आकर उनकी हत्या कर दीं। सूचना मिलते ही उत्तर-पूर्वी जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, क्राइम टीम और एफएसएल मौके पर पहुंचे। तीनों के शव कमरे में पड़े मिले और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए। प्रारंभिक जांच में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश

शुरू की है। पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा के अनुसार जयश्री मूल रूप से बुलंदशहर के औरंगाबाद (डिबाई) की रहने वाली थी और वर्ष 2017 में करावल नगर निवासी प्रदीप से उसका विवाह हुआ था। प्रदीप का आजादपुर मंडी में फलों का कारोबार है। मृतका के भाई चंद्रभान ने आरोप लगाया कि प्रदीप शराब पीने और जुआ खेलने का आदी था और आए दिन जयश्री से झगड़ा करता था। कई बार उसने उसे घर से निकाल भी दिया था हत्या की सूचना के बाद तीन टीमें आरोपित की तलाश में लगाई गयी। कुछ ही घंटों में पुलिस ने प्रदीप को इलाके से दबोच लिया। पूछताछ में उसने पत्नी और बेटियों की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। हालांकि, हत्या की असली वजह जानने के लिए पुलिस आगे की पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

संपादकीय

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक ह्यअंक- उद्योगह्ल में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही ह्यअंकवीरह्ल छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दशार्ता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता- पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

- ललित गर्ग -

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से ह्यरेयर अर्थ मिनरल्सह्ल के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण

व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, ह्यमेक इन इंडियाह्ल और ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है।

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने ह्यकिसान केंद्रित कृषि नीतिह्ल का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिमार्ता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साध रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब ह्यअन्नदाता को ऊजार्दाताह्ल बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके। आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी। मोदी की यह नई नीति उसी दर्शन की राजनीतिक अभिव्यक्ति है।

सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें। भारत अब ह्यझुककर व्यापारह्ल नहीं करेगा, बल्कि ह्यसम्मान के साथ साझेदारीह्ल करेगा। अमेरिका जैसे देशों को यह समझना होगा कि भारतीय किसान अब केवल हल चलाने वाला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार का खिलाड़ी है। और जब उसके पीछे स्वामीनाथन की विरासत और मोदी की नेतृत्वशक्ति हो, तो कोई भी टैरिफ, कोई भी दबाव, भारत की कृषि शक्ति को झुका नहीं सकता।

धर्म परिवर्तन करवाने वालों को पूरा जाल फैला है देश में

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने कुछ समय पूर्व बलरामपुर में जलालुद्दीन उर्फ छांगूर बाबा द्वारा चलाए जा रहे 100 करोड़ रुपये के इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश किया था और उसकी आगे की जाँच में देश में उसके कई गुर्गे धरे जा रहे है । गैर-मुस्लिमों, विशेष रूप से हिंदू लड़कियों को रोमांटिक रिश्तों, बल या प्रलोभन के माध्यम से धर्मांतरण के लिए लुभाने वाला यह जिहादी रैकेट पहला ऐसा मामला नहीं है; बल्कि, यह अभी तक एक और खिलाड़ी है जो प्रेम जाल, यौन जबरदस्ती, ब्लैकमेल, और विदेशी फंडिंग की एक भयावह प्लेबुक को अंजाम दे रहा है, हिंदुओं को निशाना बना रहा है और इस्लाम में परिवर्तित कर रहा है।

यहां तक कि इस्लामो-वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र इस कथा को स्थापित करने पर तुला हुआ है कि लव जिहाद एक भाजपा-नियोजित षड्यंत्र सिद्धांत है, धोखा और ह्यइस्लामोफोबियाह्ल का एक और रूप है, विभिन्न इस्लामी संगठनों द्वारा प्रेम, हेरफेर, जबरदस्ती और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से धर्मांतरण के लिए हिंदू महिलाओं को लक्षित करने का एक व्यवस्थित ऑपरेशन किया जा रहा है।जहां एक मुस्लिम युवक को युवा लड़कियों को परेशान करने के लिए हिंदू मंदिर के अंदर थप्पड़ मारा जाना बड़े भारतीय और विदेशी अखबारों में सुर्खियां बटोरता है, वहीं हिंदू नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले जिहाद और इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट के मामले भी खबर के लायक नहीं हैं। हालांकि, इस्लामी प्रभुत्व का दावा करने के अलावा जनसांख्यिकीय परिवर्तन लाने के आवर्ती पैटर्न और इस्लामवादी चाल को उजागर करने के लिए इस जिहादी विरोधी हिंदू साजिश के गंदे पानी में तल्लीन करना उचित है।

बताया जाता है कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा हिंदू महिलाओं को लुभाने और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए मुस्लिम पुरुषों को पैसे प्रदान करता था। मुस्लिम पुरुष अपनी पहचान नकली बनाते थे और हिंदू महिलाओं को निशाना बनाने के लिए हिंदू नामों का सहारा लेते थे। जलालुद्दीन इन मुस्लिम पुरुषों की हिंदू महिलाओं के साथ मुस्लिम

विवाह (निकाह) करता था, जिन्हें वे बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। उसने और उसके गिरोह के कई सदस्यों ने कथित तौर पर लगभग 40 बार इस्लामी देशों की यात्रा की।

जलालुद्दीन के गैंग के रडार पर हिंदू लड़कियां ही नहीं, हिंदू पुरुष भी रहे हैं। संचित नाम का एक हिंदू व्यक्ति, जो छांगुर बाबा के आवास पर स्वीपर के रूप में काम करता था, ने खुलासा किया कि जलालुद्दीन ने उसे और उसके परिवार को इस्लाम में परिवर्तित होने से इनकार करने के लिए प्रताड़ित किया। धमकियों और यातना के अलावा, जमालुद्दीन ने इस्लाम में धर्मांतरण के लिए अपने लक्ष्यों को वित्तीय प्रलोभन भी दिए। छांगुर बाबा से जुड़े एक अन्य मामले में, हरियाणा के फरीदाबाद में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की को उसके मुस्लिम पड़ोसियों आमिर हुसैन और उसकी बहन नेहा खान और बाद में छांगुर पीर के गिरोह के नियंत्रण वाले अन्य लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर फंसाया गया और उसका यौन शोषण किया गया। उसकी हिंदू पहचान को व्यवस्थित रूप से मिटा दिया गया था, उसे नमाज अदा करने, मांस खाने, बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया था, और उसके दुर्व्यवहार को उसके कैदियों द्वारा ब्लैकमेल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए फिल्माया गया था।लखनऊ में, मानवी शर्मा नाम की एक हिंदू महिला को एक मुस्लिम व्यक्ति, मेराज अंसारी ने बहला-फुसलाकर ह्यरुद्र शर्माह्ल के रूप में पेश किया। उसे कानपुर ले जाया गया, जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया गया और जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पीर की देखरेख में शादी कर दी गई। बाद में, उसे अश्लील वीडियो के साथ प्रताड़ित किया गया और ब्लैकमेल किया गया।बलरामपुर में, एक हिंदू व्यक्ति, हरजीत को छांगुर पीर और उसके सहयोगी अब्दुल मबदूद द्वारा परेशान किया गया, ब्लैकमेल किया गया और अंततः इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया। नौकरी का लालच देकर फिर झूठे केस करने की धमकी देकर बाद में हिंदू धर्म में लौट आए।

2021 में वापस, उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने एक सामूहिक धर्मांतरण रैकेट का पदार्फाश किया और मौलाना मोहम्मद उमर गौतम और उसके साथी मुफ्ती काजी जहांगीर को दिल्ली से गिरफ्तार किया, कथित तौर पर 1,000 से अधिक लोगों को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया। इस्लामिक दावा सेंटर (आईडीसी) नाम का संगठन चलाने वाले दोनों और उनके अन्य सहयोगियों पर शादी, नौकरी और पैसे और मानसिक दबाव जैसे प्रलोभनों के माध्यम से लोगों के इस्लाम में सामूहिक धर्मांतरण का आरोप लगाया गया था।अपराधियों ने अलग-अलग विकलांग बच्चों को गैर-मुसलमानों से नफरत करने, इस्लाम स्वीकार करने के लिए ब्रेनवॉश किया और उन्हें आत्मघाती हमलावरों के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे, क्योंकि ऐसे बच्चों से प्रतिशोध की गुंजाइश सीमित है।

एटीएस ने 31 गैर-मुस्लिम लड़कियों के नाम के साथ एक सूची बरामद की, जो उनके धर्मांतरण के जाल में फंस गईं, और इनमें से ज्यादातर लड़कियां ग्रामीण इलाकों की थीं। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर एटीएस अधिकारियों को बताया कि गांवों में रहने वाली लड़कियों का ब्रेनवॉश करके इस्लाम कबूल करना आसान है। वे ज्यादातर अशिक्षित हैं और कम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों से संबंधित हैं। इसलिए उन्हें नौकरियों और वित्तीय सहायता का लालच देना आसान हो जाता है।

लिवर के लिए सबसे खतरनाक हैं कौन से 5 फूड्स, एक्सपर्ट्स से जानें

लिवर हमारे शरीर का सबसे मेहनती और जरूरी अंग है. यह हमारे खाने को पचाने, टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और शरीर में एनर्जी बनाने का काम करता है. कई बार बिना हमें पता चले हमारी रोजमर्रा की आदतें और खानपान धीरे-धीरे इस लिवर पर असर डालती हैं. हम सोचते हैं कि लिवर को सिर्फ शराब या दवाईयों का ज्यादा सेवन ही नुकसान पहुंचाता है लेकिन सच ये है कि हमारे किचन और डाइनिंग टेबल पर रखी कुछ रोजमर्रा की खाने वाली चीजें भी इसके लिए उतनी ही खतरनाक हो सकती हैं.

समस्या ये है कि इन फूड्स को हम बार-बार खाते हैं और हमें लगता है कि ये बिल्कुल सामान्य हैं. शुरू में लिवर कोई बड़ा संकेत नहीं देता लेकिन अंदर ही अंदर यह कमजोर होता जाता है. कई लोग थकान, पेट में भारीपन, पाचन की गड़बड़ी या स्किन पर बदलाव को नजरअंदाज कर देते हैं. ये लक्षण आगे चलकर गंभीर बीमारियों का रूप ले सकते हैं.

अब सवाल ये उठता है कि आखिर कौन-सी वो चीजें हैं जिन्हें खाने से लिवर पर इतना दबाव बढ़ जाता है कि यह धीरे-धीरे खराब होने लगता है. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ये चीजें सिर्फ फास्ट फूड या बाहर का खाना ही नहीं हैं, बल्कि घर के खाने में भी शामिल हो सकती हैं. कई बार हेल्दी समझकर खाई जाने वाली चीजें भी लिवर के लिए हानिकारक हो सकती हैं . हार्वड यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों ने इन फूड्स के बारे में बताया है.

शुगर वाले फूड्स

पहली खतरनाक चीज है ज्यादा शुगर वाले फूड्स. कैंडी, चॉकलेट, मीठे ड्रिंक्स और यहां तक कि कुछ पैकेज्ड जूस में इतनी ज्यादा शुगर होती है कि लिवर इसे फैट में बदलना शुरू कर देता है. यह फैट लिवर में जमा होकर फैटी लिवर डिजीज का कारण बन सकता है .

तली-भुनी और जंक फूड

दूसरा बड़ा खतरा है तली-भुनी और जंक फूड- आलू के चिप्स, समोसा, पकोड़े, बर्गर जैसी चीजों में अनहेल्दी फैट्स और ट्रांस फैट्स होते हैं जो लिवर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और इंफ्लेमेशन बढ़ाते हैं.

ज्यादा नमक वाली चीजें

तीसरा फूड ग्रुप है ज्यादा नमक वाली चीजें. चिप्स, नमकीन स्नैक्स, पैकेज्ड सूप या इंस्टेंट नूडल्स में मौजूद ज्यादा सोडियम लिवर पर दबाव डालता है और फ्लूइड बैलेंस बिगाड़ देता है.

प्रोसेस्ड मीट

चौथा है प्रोसेस्ड मीट- सॉसेज, बेकन, सलामी जैसी चीजों में प्रिजर्वेटिव्स और संतृप्त वसा की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो लिवर की सेहत को तेजी से बिगाड़ सकते हैं. पांचवां खतरा है अत्यधिक शराब- लिवर के लिए सबसे खराब है शराब का सेवन जो लिवर पर सीधा असर डालती है और लंबे समय तक सेवन करने पर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है.

प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी

- ललित गर्ग -

विश्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के स्रोत को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवासियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्घोष है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज कोई पिछड़ा समूह नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, सामाजिक समरसता से लेकर आध्यात्मिक परंपराओं तक, हर दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। ह्यजो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक हैह्ल-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही ह्यवनवासीह्ल कहलाए गए, परंतु उनका जीवन दर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें ह्यपरायाह्ल बना दिया है। वे भारत में रहकर भी अपने ही देश में अदृश्य नागरिक बन गए हैं, जिनके पास न राशन कार्ड है, न पहचान पत्र, न ही राजनीतिक प्रतिनिधित्व की शक्ति। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत की कल्पना में अगर ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल का सूत्र वाक्य सार्थक करना है, तो

आदिवासी पुनर्जागरण सबसे पहली शर्त है। इस दिशा में गुजरात के प्रसिद्ध जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, सेवा और सद्भाव की त्रयी बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उत्थान हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, रोजगार और संस्कृति संवर्धन के अभियान चला रहे हैं। उनका ह्लसुखी परिवार अभियानह्ल केवल परिवार को नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज को जागृत करने का एक जनांदोलन बन चुका है। वे आदिवासियों में आत्मबल, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता की भावना जगा रहे हैं। बालिका शिक्षा केंद्र, नैतिक शिक्षा अभियान, युवाओं के लिए स्वावलंबन कार्यशालाएं, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, आदिवासी ग्रामोद्योग, आदिवासी संस्कृति उन्नयन और स्व-सहायता समूहों का गठन-ये सभी उनके प्रयासों का हिस्सा हैं। वे जनजातीय समाज में अहिंसा, नैतिकता और भारतीय संस्कृति के बीज बो रहे हैं, ताकि वे अपने मूल से कटे नहीं, बल्कि गौरव से जुड़े रहें।

आज आदिवासी समाज को जितना खतरा बाह्य आर्थिक और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहीं अधिक सांस्कृतिक अस्मिता के विघटन से है। धर्मान्तरण की गतिविधियाँ न केवल धार्मिक परिवर्तनों का परिणाम देती हैं, बल्कि उससे जुड़ी मानसिक गुलामी और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता भी पनपती है। गणि राजेन्द्र विजयजी इस खतरे को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने धर्मान्तरण के विरुद्ध शांति, संवाद और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने जैन धर्म के मूल्यों के साथ-साथ सभी धर्मों के सकारात्मक मूल्यों को आदिवासी जनजीवन से जोड़ा है ताकि वे किसी भी प्रकार की सांस्कृतिक हिंसा से बचें। गणिजी का स्पष्ट मत है कि हर आदिवासी को अपनी जड़ों में झांकना होगा। उसे यह पहचानना होगा कि वह केवल वनवासी नहीं, अपितु संस्कृति का संवाहक है।ह्ल वे आदिवासियों को आत्म निरीक्षण की प्रेरणा देते हैं कि ह्लजो अपने मूल से कट जाता है, वह किसी भी विकास का अधिकारी नहीं बन सकता।ह्ल उनकी प्रेरणा से कई आदिवासी युवाओं ने शिक्षा ग्रहण की, रोजगार स्थापित किए, कुटीर उद्योगों की ओर बढ़े और सबसे महत्वपूर्ण, अपने आत्मगौरव को पुनः प्राप्त किया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार की ओर अग्रसर हो रही है, तब आदिवासी समाज को भी इस बदलाव की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है।

ट्रंप प्रशासन ने पर्यावरण एजेंसी में यूनियन कर्मचारियों का अनुबंध समाप्त किया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में संघीय कर्मचारियों के सामूहिक सौदेबाजी (कलेक्टिव बार्गेनिंग) अधिकारों को सीमित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने अपने यूनियनकृत कर्मचारियों के साथ अनुबंध समाप्त कर दिया है। यह जानकारी एजेंसी के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन के अध्यक्ष जस्टिन चेन ने बयान जारी कर दी। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज (एएफजीई) का ईपीए चैप्टर लगभग 8,000 कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है और उसने इस फैसले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यूनियन समझौते खत्म करने से एजेंसियों के लिए कर्मचारियों को अनुशासित करना या नौकरी से निकालना आसान हो जाएगा। ईपीए प्रवक्ता ने बयान में कहा कि एजेंसी राष्ट्रपति ट्रंप के मार्च में जारी उस कार्यकारी आदेश को लागू कर रही है, जिसमें संघीय श्रम-प्रबंधन संबंध कार्यक्रमों से छूट शामिल है। यह आदेश 30 से अधिक संघीय एजेंसियों में सामूहिक सौदेबाज़ी अधिकार समाप्त करने से जुड़ा है और वर्तमान में अदालत में चुनौती के दौर से गुजर रहा है।

लूला और पुतिन ने अमेरिका शिखर सम्मेलन से पहले यूक्रेन शांति प्रयासों पर की चर्चा

ब्रासीलिया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को लगभग 40 मिनट तक बातचीत की, जिसमें पुतिन ने अमेरिका के साथ अपनी हालिया वार्ताओं और रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे शांति प्रयासों की जानकारी साझा की। ब्राजीलियाई राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों नेताओं ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संगठन ब्रिक्स में सहयोग और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एवं आर्थिक हालात पर भी चर्चा की। पुतिन और लूला के बीच यह संवाद उन लगातार हो रही अंतरराष्ट्रीय बातचीतों का हिस्सा है, जिन्हें पुतिन अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से संभावित मुलाकात से पहले अंजाम दे रहे हैं। बीते दिन पुतिन ने चीन, भारत सहित ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों और मध्य एशिया व यूरोप के कई राष्ट्राध्यक्षों से भी संपर्क किया था, ताकि अमेरिका के साथ अपनी बातचीत और यूक्रेन युद्ध पर विचार-विमर्श की जानकारी दे सकें। ब्राजील और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगाया है, जिसे ट्रंप ने अपने सहयोगी और ब्राजील के पूर्व दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जाइर बोल्सोनारो के खिलाफ कथित ÷राजनीतिक साजिश÷ से जोड़ा था। हालांकि कुछ उत्पाद जैसे संतरे का रस और विमान पर कम शुल्क लगाया गया।

अमेरिका में मौसम की मार, तूफान से एक की मौत; जेल से फरार हुए सैंकड़ों कैदी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्वी नेब्रास्का में आए तेज तूफान ने एक महिला की जान ले ली और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जेल के क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ों कैदी भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। नेब्रास्का के साथ ही कई अन्य राज्य भी खराब मौसम का सामना कर रहे हैं। अग्निशमन विभाग ने बताया कि नेब्रास्का के टू रिवर्स पार्क में एक गाड़ी पर पेड़ गिर गया। जिससे गाड़ी में सवार महिला की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जेल टूटने से फरार हुए कैदी

तूफान के दौरान 129 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार की हवाएं चलीं। जिससे जगह-जगह पेड़ उखड़ गए। घरों की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कई जगह बिजली के तार टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। नेब्रास्का की राजधानी लिंकन में तूफान के चलते राज्य जेल की दो आवास इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे 387 कैदी फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि फरार कैदियों का पता लगा लिया गया है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि शनिवार को पूर्वी विस्कॉन्सिन के कुछ हिस्सों में भी तेज तूफान आया, जिससे राज्य के डोर प्रायद्वीप में 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

दक्षिणी लेबनान में विस्फोट में छह सैनिकों की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में एक बारूदी सुरंग हटाने के अभियान के दौरान इज़रायली गोला-बारूद में विस्फोट होने से छह सैनिकों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हुए हैं। एक सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को यह विस्फोट उस समय हुआ जब सेना की एक इकाई टायर की जेबक्रीन घाटी में एक हथियार डिपो का निरीक्षण कर रही थी और उसमें मौजूद सामग्री को नष्ट कर रही थी।रूस न्यूज एजेंसी स्पूतनिक की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। यह घटना लेबनान

सरकार द्वारा हिज़्बुल्लाह को निरस्त्र करने की अमेरिका समर्थित योजना को मंजूरी देने के कुछ दिनों बाद हुयी है। प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि लेबनान 'अपने राष्ट्रीय कर्तव्य का पालन करते हुए' मारे गए सैनिकों के लिए शोक व्यक्त करता है।

जेलेंस्की ने रूस के साथ क्षेत्रीय अदला-बदली पर ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज किया

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने साफ कहा है कि उनका देश किसी भी हाल में रूस को अपनी जमीन नहीं देगा। यह बयान उन्होंने तब दिया, जब अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध खत्म करने के लिए ÷इलाकों की अदला-बदली का सुझाव दिया था। जेलेंस्की ने इस सुझाव को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन कभी भी कब्जा करने वाले को अपनी जमीन नहीं देगा। हम रूस को उसके किए का कोई इनाम नहीं देंगे। जेलेंस्की ने वास्तविक और स्थायी शांति की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि लक्ष्य हत्याओं पर विराम नहीं, बल्कि तत्काल एक वास्तविक और स्थायी शांति है। यह बयान उस समय आया जब यूक्रेन और यूरोप के शीर्ष अधिकारी, अमेरिका के उपराष्टपति जे.डी. वेंस से इंग्लैंड के केंट शहर में मिले। इस बैठक में युद्ध खत्म

करने के कूटनीतिक रास्तों पर चर्चा हुई। इस बैठक में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, फनिलैंड और पोलैंड सहित प्रमुख यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। जेलेंस्की ने बैठक को सकारात्मक बताया और उम्मीद जताई कि पश्चिमी देशों का समर्थन आगे भी मिलेगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि फरवरी से अब तक ट्रंप प्रशासन की हर युद्धविराम पहल को यूक्रेन ने समर्थन दिया है, और आगे कहा, मैंने किसी भी सहयोगी को युद्ध समाप्त करने की अमेरिका की क्षमता पर संदेह व्यक्त करते नहीं सुना है। जेलेंस्की ने ट्रंप और रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली प्रस्तावित बैठक की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ÷यूक्रेन की भागीदारी के बिना लिया गया कोई भी फैसला बेकार है और कभी काम नहीं करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की और बताया कि यह अगले अलास्का में होगी। रूसी एजेंसी 'तास' ने भी क्रेमलिन के एक अधिकारी के हवाले से इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि सुरक्षा कारणों से बैठक में देरी हुई। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों की बेहतरी के लिए कुछ क्षेत्रों की अदला-बदली पर चर्चा की जाएगी, हालांकि उन्होंने प्रस्ताव की बारीकियों के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा पर नियंत्रण के इजराइल के फैसले पर चिंता जताई

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा पर पूर्ण कब्जे (नियंत्रण) के इजराइल के फैसले पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता के बयान के अनुसार, इजराइल के गाजा शहर पर नियंत्रण करने से लाखों फिलिस्तीनियों पर विनाशकारी परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

साथ ही शेष बंधकों समेत और भी लोगों के जीवन को खतरा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि इजराइल का यह फैसला खतरनाक उग्रता का प्रतीक है। महासचिव ने चेतावनी दी है कि इससे जबरिया विस्थापन बढ़ेगा। खूनखराबा और बड़े पैमाने पर विनाश होगा। इसलिए गाजा में फिलिस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। उन्होंने स्थायी युद्धविराम, गाजा में निर्बाध मानवीय पहुंच और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की अपनी अपील दुहराई। उन्होंने इजराइल से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 19 जुलाई 2024 को अपनी सलाह में कहा था कि इजराइल का दायित्व है कि वह सभी नई बस्तियां बसाने की गतिविधियों को तुरंत रोके। साथ ही कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को यथाशीघ्र समाप्त करे। गुटेरेस ने कहा कि इसके बिना इस संघर्ष का स्थायी समाधान नहीं होगा। गाजा फिलिस्तीनी राज्य का अभिन्न अंग है और उसे बना रहना चाहिए।

ट्रंप ने पेंटागन को ड्रग कार्टेल के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल के विकल्प तैयार करने का निर्देश दिया

एजेंसी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पेंटागन को आतंकवादी संगठन घोषित ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिकी सैन्य बल के संभावित इस्तेमाल के विकल्प तैयार करने का निर्देश दिया है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को को इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति ट्रंप के जनवरी में हस्ताक्षरित कार्यकारी आदेश के बाद फरवरी में ट्रेन डे अरागुआ, सिनालोआ कार्टेल, एमएस-13 और अन्य ड्रग कार्टेल को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया गया था। एबीसी न्यूज के अनुसार, ट्रंप के निर्देश की पुष्टि करने वाले दो अधिकारियों में से एक ने कहा कि अमेरिकी सैन्य संसाधनों का कोई भी संभावित इस्तेमाल निकट भविष्य में होने की संभावना नहीं है। ऐसे अभियान की वैधता पर सवाल उठना भी निश्चित है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, ट्रंप ने पेंटागन को कार्टेल के खिलाफ सैन्य विकल्प तैयार करने का आदेश देने वाले एक निर्देश पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रपति

के निर्देश पर विचार करने के बाद पेंटागन ने अपनी राय व्हाइट हाउस को भेज दी है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने बताया, राष्ट्रपति ट्रंप की सर्वोच्च प्राथमिकता मातृभूमि की रक्षा करना है। यही वजह है कि उन्होंने कई कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने का साहसिक कदम उठाया। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने शुक्रवार को कहा, अमेरिका सेना के साथ मेक्सिको नहीं आएगा। हम सहयोग और समन्वय जरूर करते हैं, लेकिन आक्रमण नहीं होने देंगे। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति का यह कदम प्रशासन को उन कार्टेलों के खिलाफ विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों को सशस्त्र आतंकवादी संगठनों जैसा मानने का वक्त आ गया है। ट्रंप के पेंटागन को दिए गए इस निर्देश के संबंध में 2011 से 2021 तक विदेश विभाग में अटॉर्नी-सलाहकार रहे ब्रायन फिनुकेन ने कहा, कानून के अनुसार, विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करना बल प्रयोग का अधिकार नहीं है। इस पर अमेरिकी सरकार के भीतर कुछ भ्रम हैं। ऐसा करना कानूनी रूप से काफी जटिल है।

केन्या में बस खाई में गिरी, 10 महिलाओं समेत 26 की मौत

एजेंसी

नैरोबी (केन्या)। दक्षिण-पश्चिमी केन्या में अपने परिजन के अंतिम संस्कार में शामिल शोक संतप्त लोगों को घर ले जा रही एक स्कूल की बस के खाई में गिर जाने से 26 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा 08 अगस्त को किसुमु में कॉप्टिक गोल चक्कर के पास हुआ। केन्या के अखबार द स्टार के अनुसार, होमा बे की गवर्नर ग्लेडिस वांगा ने किसुमु बस हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। एक बयान में वांगा ने कहा कि इस दुर्घटना में 12 पुरुषों, 10 महिलाओं और एक बच्चे की मौके पर मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से तीन ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। गवर्नर वांगा ने किसुमु के राज्यपाल प्रोफेसर पीटर आन्यांग न्योंगो के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा, हालांकि यह त्रासदी होमा बे

में नहीं हुई, लेकिन दुख की कोई सीमा नहीं होती। हम सब इस दुख में एक हैं। इस बीच राष्ट्रीय सरकार ने दुर्घटना में जीवित बचे 26 लोगों के लिए चिकित्सा देखभाल बढ़ाने का कदम उठाया है। चिकित्सा सेवा विभाग की प्रमुख सचिव ओउमा ओलुगा ने कहा कि किसुमु शहर में अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को जरामोगी ओगिंगा ओडिंगा शिक्षण एवं रेफरल अस्पताल के प्रयासों में सहयोग के लिए तैयार किया गया है।

लंदन में फिलिस्तीन कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 150 से अधिक लोगों को मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में फिलिस्तीन एक्शन से जुड़े अब तक के सबसे बड़े प्रदर्शन के दौरान मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई उस समय हुई जब इस संगठन को हाल ही में ब्रिटिश सरकार ने आतंकी संगठन घोषित किया है। दोपहर (स्थानीय समयानुसार), संसद भवन के सामने पार्लियामेंट स्क्वायर में 'डिफेंड आवर ज्यूरिज़' नामक समूह के आह्वान पर सैकड़ों लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने बैनर और पोस्टर के जरिए फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन के संदेश प्रदर्शित किए, जबकि पुलिस ने पहले ही चेतावनी दी थी कि ऐसे किसी भी कदम को आतंकवाद निरोधक कानून के तहत अपराध माना जाएगा। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध फिलिस्तीन या उसके अधिकारों पर विरोध-प्रदर्शन की

स्वतंत्रता को प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह केवल एक विशेष संगठन की गतिविधियों पर लागू है। मंत्रालय के अनुसार, शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र की नींव है और इसे सुरक्षित रखा जाएगा। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी असिस्टेंट कमिश्नर अडे अडेलकन ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को, जो प्रतिबंधित संगठन के समर्थन में पाया जाएगा, गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि आतंकवाद अधिनियम के तहत गिरफ्तारी भविष्य में यात्रा, रोजगार

यह कार्रवाई उस समय हुई जब इस संगठन को हाल ही में ब्रिटिश सरकार ने आतंकी संगठन घोषित किया है।

और वित्तीय मामलों पर गंभीर असर डाल सकती है। आने वाले दिनों में लंदन में दो और रैलियां होंगी - एक फिलिस्तीन कोएलिशन द्वारा और दूसरी 'स्टॉप द हेट' नामक प्रो-इजराइल समूह द्वारा। दोनों मार्च क्रमशः रसेल स्क्वायर से व्हाइटहॉल और अन्य निर्धारित मार्गों पर आयोजित किए जाएंगे।

आईएसपीआर का दावा-पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने दो दिन में 47 आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सशस्त्र बलों की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने दावा किया है कि सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के झोब जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पार घुसपैठ की कोशिश कर रहे 14 और आतंकवादियों को मार गिराया। इससे पहले सात और आठ अगस्त की रात सुरक्षा बलों ने 33 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। डान अखबार की खबर के अनुसार, सुरक्षा बलों ने गुजरी रात को पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर स्थित सांबाजा के आसपास 14 आतंकवादियों का सफाया कर दिया। इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किया गया है। आईएसपीआर की विज्ञप्ति के अनुसार दो दिन तक चले घुसपैठ विरोधी अभियान में मारे गए आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। मारे गए आतंकवादियों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से है। डान के अनुसार, नवंबर 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने के बाद से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि आई है। इनसे पार पाना संघीय सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। मुल्क में आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़कर 1,081 हो गई है।

स्पेसएक्स कैप्सूल से चार अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित पृथ्वी पर लौटे

वॉशिंगटन। लगभग पांच महीने तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर वैज्ञानिक शोध करने के बाद चार सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय दल शनिवार, 9 अगस्त को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौट आया। यह वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के माध्यम से कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरने के साथ हुई। इस दल में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ऐन मैकलेन और निकोल एयर्स, जापान के ताकुया ओनिशी और रूसी कॉस्मोनॉट किरील पेस्कोव शामिल रहे। यह नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के तहत आईएसएस के लिए 10वें दल परिवर्तन मिशन का समापन था, जिसे स्पेस शटल युग के बाद निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ाया जा रहा है।ड्रैगन कैप्सूल 08 अगस्त को 2215 जीएमटी (भारत समयानुसार 9 अगस्त सुबह 6÷15 बजे) पर

आईएसएस से अलग हुआ और लगभग 17 घंटे की यात्रा के बाद पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया। विशाल पैराशूट के सहारे इसकी गति को नियंत्रित किया गया और समुद्र में उतरने के बाद स्पेसएक्स के जहाज ने इसे बरामद कर लिया। 'क्रू-10' नामक इस टीम ने अंतरिक्ष में पौधों की वृद्धि और गुरुत्वाकर्षण में कोशिकाओं की प्रतिक्रिया जैसे कई वैज्ञानिक प्रयोग किए। उनका मिशन मार्च में शुरू हुआ था, जिससे पहले से आईएसएस पर फंसे दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री अपने देश लौट सके।

उल्लेखनीय है कि जून 2024 में बोइंग स्टारलाइनर के पहले मानवयुक्त परीक्षण उड़ान पर गए बट्च विलमोर और सुनीता विलियम्स केवल आठ दिन के मिशन पर थे, लेकिन तकनीकी खामियों के कारण वे नौ महीने तक आईएसएस पर ही फंसे रहे। हाल ही में नासा ने घोषणा की कि 25 वर्षों की सेवा के बाद बट्च विलमोर ने सेवानिवृत्ति का निर्णय लिया है। इसी सप्ताह अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जीना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूसी कॉस्मोनॉट ओलेग प्लेटोनोव एक नए छह महीने के मिशन के लिए आईएसएस पहुंचे हैं।

पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण को भारत के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने से 4 अरब रुपये का घाटा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) को भारत में पंजीकृत विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने के बाद से केवल दो महीने में 4.1 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी शुक्रवार को नेशनल असेम्बली को दी। मंत्रालय ने कहा कि यह घाटा 24 अप्रैल से 30 जून के मध्य हुआ।

डान अखबार की खबर के अनुसार, भारत ने 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इस पर जवाबी कदम उठाते हुए पाकिस्तान ने 24 अप्रैल से भारत में पंजीकृत विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा की थी। संघीय सरकार के इस कदम से प्रतिदिन 100 से 150 भारतीय विमान प्रभावित हुए। इस वजह से पारगमन यातायात में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आई। 2019 में

इसी तरह के प्रतिबंध लागू करने से अनुमानित 7.6 अरब रुपये के राजस्व की क्षति हुई थी। रक्षा मंत्रालय ने नेशनल असेम्बली को बताया कि संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ऐसे निर्णय, नोटिस टू एयरमैन (नोटम) के माध्यम से जारी किए जाते हैं। ऐसे फैसले नागरिकों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के साथ सैन्य योजना को अनुमति देने के लिए रणनीतिक और कूटनीतिक महत्व रखते हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि मुल्क की संप्रभुता के लिए इस तरह का आर्थिक नुकसान महत्व नहीं रखता। इसके अलावा, नोटम ए 0510/25 के अनुसार, इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन अपरिहार्य कारणों से 14 अगस्त तक प्रतिदिन दो घंटे (सुबह 11 बजे से एक बजे तक) के लिए बंद रहेगा। इससे लाहौर और उत्तरी क्षेत्रों की उड़ानें प्रभावित होंगी। हवाई क्षेत्र सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक बंद रहेगा। इसका प्रभाव साफ दिखा। सैकड़ों यात्रियों को अपने कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा।

ईरान ने अजरबैजान-आर्मेनिया शांति समझौते के तहत प्रस्तावित 'ट्रंप कॉरिडोर' को रोकने की धमकी दी

एजेंसी

दुबई/मॉस्को। ईरान ने चेतावनी दी कि वह कॉकस क्षेत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल से बने प्रस्तावित परिवहन कॉरिडोर को रोक सकता है। यह कॉरिडोर अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच हुए हालिया क्षेत्रीय समझौते का हिस्सा है, जिसे क्षेत्र में एक रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता के वरिष्ठ सलाहकार अली अकबर वेलायती ने कहा, यह कॉरिडोर ट्रंप की मिल्कियत नहीं बनेगा, बल्कि ट्रंप के भाड़े के सैनिकों का कब्रिस्तान बनेगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर-पश्चिमी ईरान में हाल ही में हुए सैन्य अभ्यास देश की तैयारी और संकल्प का संकेत हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने पहले इस समझौते का स्वागत किया था, लेकिन चेतावनी दी थी कि उसकी सीमाओं के पास किसी भी विदेशी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को नुकसान हो सकता है। अजरबैजान के राजदूत एलिन सुलेमानोव ने कहा, दुश्मनी का अध्याय खत्म हो चुका है, अब हम स्थायी शांति की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समझौता क्षेत्र की समृद्धि और परिवहन नेटवर्क को बदल देगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम शांति समझौता तभी होगा जब आर्मेनिया अपने संविधान से नागोर्नो-काराबाख़ पर दावे का उल्लेख हटाएगा।

अमेरिका ने पाकिस्तान को दिखाई उसकी औकात, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का इस्लामाबाद दौरा रोका

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी हैसियत का अहसास कराया है और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रोक दी है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा तालिबान के नेताओं पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंध में छूट को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को अपनी पाकिस्तान यात्रा टालनी पड़ी। इसके साथ ही अमेरिका ने दिखा दिया है कि भले ही वह दुनिया की दिखाए कि पाकिस्तान उसका सहयोगी देश है, लेकिन असल में अमेरिका, पाकिस्तान पर अपनी दादागिरी चलाता है और उसकी विदेश नीति को नियंत्रित करता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संबंध सुधारने की कवायद को लगा झटका

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का

पाकिस्तान दौरा 4 अगस्त को प्रस्तावित था। यह दौरा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत हो रहा था। इससे पहले पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार काबुल दौरे पर गए थे। इशाक डार के पाकिस्तान दौरे की व्यवस्था चीन ने की थी, उस दौरे पर ही अफगानिस्तानी विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे पर सहमति बनी थी, लेकिन पाकिस्तान और चीन की इस पूरी कवायद पर अमेरिका ने पानी फेर दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1988 के तहत गठित समिति तालिबान से जुड़े लोगों की यात्रा, संपत्ति और हथियार प्रतिबंधों की निगरानी करती है। तालिबानी नेताओं को अफगानिस्तान से बाहर जाने के लिए यूएनएससी से यात्रा प्रतिबंध में छूट की जरूरत होती है।

चीन के अफगानिस्तान में बढ़ते दबदबे से अमेरिका परेशान

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन ने अपने फैसले को आखिरी समय तक टाला और आखिरकार छूट देने से इनकार कर दिया, जिससे यात्रा रद्द हो गई। माना जा रहा है कि तालिबान सरकार की चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों से परेशान होकर अमेरिका ने यह फैसला किया। अमेरिका नहीं चाहता कि अफगानिस्तान में चीन का दबदबा बढ़े। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को महज अफवाह बताया, लेकिन अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की यात्रा रद्द होने की कोई ठोस वजह भी नहीं बताई।

कपड़ा, रसायन जैसे सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन दे सकती सरकार

नई दिल्ली। सरकार अमेरिका की तरफ से लगाए गए 50 प्रतिशत सीमा शुल्क से प्रभावित होने वाले कपड़ा एवं रसायन उद्योग जैसे क्षेत्रों को समर्थन देने को लेकर प्राथमिकता दे सकती है। उद्योग सूत्रों ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह सहायता निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत दी जाएगी। निर्यात प्रोत्साहन मिशन की घोषणा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में की गई थी। मिशन के लिए 2,250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। वाणिज्य मंत्रालय ने कपड़ा और रसायन क्षेत्र के निर्यातकों के साथ बैठक की जिसमें अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के संभावित प्रभाव और राहत उपायों पर चर्चा हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारतीय आयात पर लगाए गए शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया। इसमें रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर जुर्माने के तौर पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए आसान ऋण योजनाएं, ई-कॉमर्स निर्यातकों को सहयोग, विदेशी गोदामों की सुविधा और वैश्विक ब्रांडिंग पहलों जैसे उपाय शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा, 'सरकार इस मिशन के तहत उन क्षेत्रों को समर्थन देने की योजना बना रही है, जो अमेरिकी शुल्कों से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।'

जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास पर कर रही कामः वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली। डिजिटल सेवा कंपनी जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास में सक्रिय रूप से लगी हुई है और कंपनी का लक्ष्य इस क्षेत्र में अगुवा बनने का है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, जियो अब दुनिया का सबसे बड़ा 'डेटा ऑपरेटर' है। भारत में वायरलेस डेटा ट्रैफिक में इसकी हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''जियो भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों पर काम करना जारी रखे हुए है और 6जी प्रौद्योगिकी पर सक्रिय रूप से शोध एवं विकास कर रही है। इसका लक्ष्य इसके विकास और उपयोग में वैश्विक अगुवा बनना है।'' जियो की मूल कंपनी आरआईएल की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है, ''एक दशक से भी कम समय में जियो ने अपने दृष्टिकोण औरजनिवेश के साथ देश को डेटा के अभाव से डेटा की प्रचुरता की स्थिति में पहुंचा दिया है।'' कंपनी स्थलीय संचार नेटवर्क के निर्माण में जियो की प्रौद्योगिकी क्षमता बढ़ाने के लिए अपना स्वयं का उपग्रह संचार मंच भी बना रही है। साथ ही भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ साझेदारी कर रही है। जियो नेटवर्क पर मार्च 2025 तक लगभग 19.1 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता थे। इनका वायरलेस डेटा ट्रैफिक में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान था। कंपनी ने मार्च 2025 तक लगभग 1.8 करोड़ घरों को जोड़ा है और वित्त वर्ष के दौरान उद्योग से जुड़े कुल ग्राहकों में इसकी हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत रही।

जून तिमाही में म्यूचुअल फंड के 1.67 करोड़ एसआईपी खाते खुलेः उद्योग निकाय

नई दिल्ली। प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों के बीच खुदरा निवेशकों की मजबूत भागीदारी होने से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में म्यूचुअल फंड उद्योग में 'व्यवस्थित निवेश योजना' (एसआईपी) खातों में तेज उछाल देखा गया। उद्योग निकाय एम्फी ने यह जानकारी दी। म्यूचुअल फंड उद्योग के शीर्ष संगठन 'एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया' (एम्फी) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में कुल 1.67 करोड़ नए एसआईपी खाते खुले, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में 1.41 करोड़ खाते खुले थे। डिजिटल मंच 'ग्रो' अकेले 41.9 लाख नए एसआईपी खाते जोड़कर 25 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे रहा। अकेले जून में ही 'ग्रो' पर 15.7 लाख नए खाते खोले गए जो किसी भी वितरक द्वारा एक माह में सर्वाधिक है। इस तिमाही में मूल्य के लिहाज से 'ग्रो' पर 1,116 करोड़ रुपये के एसआईपी पंजीकरण हुए जो पिछली तिमाही की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है। एंजल वन 15 लाख नए एसआईपी खातों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। पारंपरिक वितरकों में एनजे इंडिया इन्वेस्ट ने 5.9 लाख, एसबीआई ने 4.3 लाख और एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने 3.8 लाख खाते जोड़े। फोनपे ने भी छोटे निवेशकों की अधिकता के साथ 5.9 लाख खाते जोड़े। जून तिमाही में इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा निवेशकों का भरोसा मजबूत बना रहा।

भारतीय ऑटो मार्केट में 'गेम चेंजर' बनने को तैयार सिट्रोन, नई रणनीति 'सिट्रोन 2.0' का ऐलान

नई दिल्ली। फ्रांस की ऑटोमोबाइल कंपनी सिट्रोन ने भारत में अपने अगले बड़े कदम के रूप में नई रणनीति 'सिट्रोन 2.0 - नए की ओर कदम' पेश की है। इस योजना का मुख्य फोकस अपडेटेड मॉडल पेश करना, रिटेल नेटवर्क का विस्तार करना और ग्राहकों को बेहतर अनुभव देना है। कंपनी का कहना है कि यह स्ट्रेटजी पूरी तरह भारतीय ग्राहकों के फीडबैक पर आधारित है और इसका उद्देश्य सिट्रोन को देश में एक सुलभ और महत्वाकांक्षी ब्रांड के रूप में स्थापित करना है। नई रणनीति के तहत ष्ट3, एयरक्रॉस और बेसाल्ट कूपे स्ड्ढ मॉडल्स में एडवांस्ड इंटीरियर, अपग्रेडेड कनेक्टिविटी और बेहतर कम्फर्ट फीचर्स जोड़े जाएंगे। कंपनी का दावा है कि ये बदलाव भारत में मौजूद इंजीनियरिंग टीमों के इनपुट के साथ तैयार हो रहे हैं, ताकि स्थानीय ड्राइविंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 98त्न तक लोकलाइजेशन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपए - राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 25 में 1.51 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले साल के 1.27 लाख करोड़ रुपए से 18 फीसदी अधिक है और 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपए से 90 फीसदी ज्यादा है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) और अन्य पीएसयू का कुल उत्पादन में लगभग 77 प्रतिशत योगदान रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत रहा। निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 21 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 23 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि देश के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ रही है। रक्षा मंत्री ने इस उपलब्धि को हासिल करने में रक्षा उत्पादन विभाग और

सभी हितधारकों - डीपीएसयू, सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माताओं और निजी उद्योग के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भारत का रक्षा उद्योग लगातार मजबूत हो रहा है।उद्योग के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने वर्ष-दर-वर्ष लगातार वृद्धि प्रदर्शित की है, जिसका श्रेय दूरगामी नीतिगत सुधारों, व्यापार करने में आसानी में वृद्धि और पिछले दशक में स्वदेशीकरण पर रणनीतिक ध्यान को दिया जा सकता है। वित्त वर्ष 2024-25 में डीपीएसयू और निजी क्षेत्र का समग्र उत्पादन क्रमशः 16 प्रतिशत और 28 प्रतिशत बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह रिकॉर्ड बताता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा विनिर्माण में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की सरकार की कोशिशें रंग ला रही हैं।सरकार का जोर आयात पर निर्भरता कम करने और एक ऐसा रक्षा उद्योग बनाने पर है जो न केवल भारत की जरूरतों को पूरा करे बल्कि निर्यात की क्षमता को भी बढ़ाए। निरंतर नीतिगत समर्थन, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और निर्यात क्षमता के विस्तार के साथ, भारत का रक्षा उत्पादन क्षेत्र आने वाले वर्षों में और तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

फास्ट फूड से लेकर बैग तक होंगे महंगे, इन ब्रांड्स ने बढ़ाए दाम

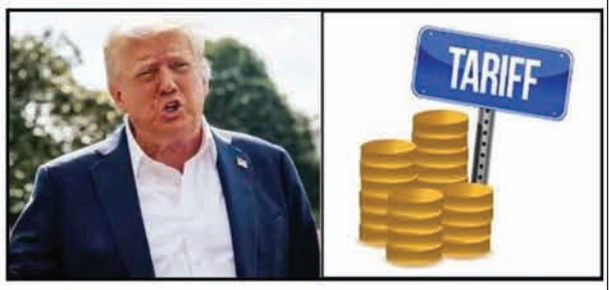

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। अमेरिका में इम्पोर्ट होने वाले कई उत्पादों की कीमतें बढ़ गई हैं और लोगों को इनके लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। Adidas, Walmart, Nike जैसी बड़ी कंपनियों ने या तो अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं या जल्द ही बढ़ाने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है, आने वाले समय में कीमतों में और इजाफा देखने को मिल सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने 90 से अधिक देशों से आयात होने वाले सामान पर टैरिफ लगा दिया है। इसके चलते न केवल अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बल्कि अमेरिकी ब्रांड भी कीमतें बढ़ाने पर मजबूर हो रहे हैं। स्पोर्ट्सवियर से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और लग्जरी प्रोडक्ट्स तक कई सेक्टर्स में दाम बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

सरकार ने आयकर विधेयक 2025 वापस लिया, 11 अगस्त को पेश होगा नया विधेयक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि पेट्रोलियम लॉबी पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 20 प्रतिशत करने के मुद्दे पर लोगों के मन में डर पैदा कर रही है। उन्होंने एक मीडिया समूह के परिचर्चा कार्यक्रम के एक सत्र में कहा कि एथेनॉल मिले पेट्रोल से वाहन के माइलेज में थोड़ी कमी आ जाती है, पर इससे वाहन को नुकसान होने जैसी बात नहीं है। मंत्री ने कहा कि ब्राजील जैसे कई देशों में तो 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग हो रही है। भारत में 27 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का परीक्षण चल रहा है, लेकिन इसे लागू करने का अभी कोई समय तय नहीं है। श्री गडकरी ने कहा कि एथेनॉल20 के मुद्दे को पेट्रोलियम लॉबी गलत ढंग से पेश कर रही है। यह बात सही है कि ई20 से वाहन का औसत माइलेज कुछ कम हो जाता है, पर क्या हम खनिज ईंधन से होने वाले प्रदूषण और ईंधन आयात पर अपना खर्च कम नहीं करना चाहते जो 22 लाख करोड़ रुपये का

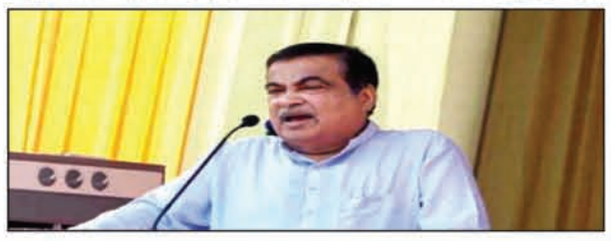

है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस बात की चिंता फैलाई जा रही है कि सरकार के ई20 शुरू करने से वाहनों को नुकसान हो रहा है, पर ईंधन खर्च में कोई कमी नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रण पर पुणे की ऑटोमोटिव अनुसंधान एसोसिएशन (एआरएआई) अनुसंधान करती है और रिपोर्ट देती है। उससे पहले सरकार कोई फैसला नहीं करती। श्री गडकरी ने कहा कि देश में चावल, मक्का और गेहूं इफरात में है। एथेनॉल कार्यक्रम के चलते मक्के का भाव 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,600 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अभी सड़क निर्माण का औसत 38 किमी प्रति दिन है जिसे 100 किमी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। चालू वित्त वर्ष में 2.5 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का ठेका दिया जा चुका है और आशा है यह मार्च के अंत तक 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जायेगा।

चावल सस्ता, गेहूँ-चीन महँगी, दालों-खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के दाम घट गये जबकि गेहूँ महँगा हो गया। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। चीनी की कीमत बढ़ गयी। चावल की औसत कीमत करीब नौ रुपये की नरमी के साथ 3,802.20 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूँ 10 रुपये महँगा हुआ और 2,849.23 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा भी लगभग 22 रुपये की मजबूती के साथ 3,317.21 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। सरसों तेल औसतन 177 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। मूँगफली तेल में 102 रुपये की गिरावट रही। वनस्पति 14 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया। पाम ऑयल 35 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सूरजमुखी तेल का भाव 61 रुपये और सोया तेल का 104 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।

दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत पाँच रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। चना दाल 15 रुपये और

तुअर दाल करीब 99 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयी। उड़द दाल में 44 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, दाल मूँग आठ रुपये प्रति क्विंटल महँगी हुई।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव 60 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये। चीनी भी 31 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक महँगी हुई।

संचार साथी ऐप छह महीने मे 50 लाख बार से अधिक हुआ डाउनलोड

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार सुरक्षा बढ़ाने और आम लोगों को सशक्त करने के उद्देश्य से इस साल जनवरी में जारी 'संचार साथी' ऐप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश की व्यापक भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करके ऐप की पहुंच का विस्तार किया है। इस ऐप ने धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग को और भी आसान बना दिया है। अब यूजर कुछ ही टैप में सीधे अपने कॉल और एसएमएस लॉग से रिपोर्ट दर्ज कर सकते हैं। संचार मंत्रालय की जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि संचार साथी पहल के तहत 5.35 लाख से ज्यादा खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट वापस मिल चुके हैं। आम लोगों की रिपोर्ट के आधार पर एक करोड़ से ज्यादा अनधिकृत मोबाइल कनेक्शन

काटे गये हैं, और 'चक्षु' सुविधा के जरिए चिह्नित 29 लाख से ज्यादा मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय किया गया है। संचार साथी पोर्टल पर 16.7 करोड़ से ज्यादा लोग विजिट कर चुके हैं, जो इस नागरिक-केंद्रित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। दूरसंचार विभाग ने वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (एफआरआई) भी लागू किया है, जो वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम से जुड़े मोबाइल नंबरों का आकलन और वर्गीकरण करता है। यह उपकरण बैंकों, एनबीएफसी और यूपीआई सेवा प्रदाताओं को उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाने में सक्षम बनाता है। परिणामस्वरूप, 34 वित्तीय संस्थानों ने एफआरआई रेटिंग के आधार पर 10.02 लाख बैंक खातों/भुगतान वॉलेट को फ्रीज कर दिया है और 3.05 लाख खातों में लेन-देन पर प्रतिबंध लगा दिये हैं। 16 मई 2023 को लॉन्च किये गये पोर्टल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, दूरसंचार विभाग ने 17 जनवरी 2025 को संचार साथी मोबाइल ऐप लॉन्च किया था, जो उपयोगकर्ताओं को दूरसंचार सुरक्षा सेवाओं तक सीधी और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करता है। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध यह ऐप उपयोगकर्ताओं को अपनी दूरसंचार पहचान की सुरक्षा करने और संभावित धोखाधड़ी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने में सक्षम बनाता है।संचार साथी मोबाइल ऐप की मदद से संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट की जा सकती है, अपने नाम पर जारी सिम का पता लगाया जा सकता है, खोये या चोरी हुये हैंडसेट को ब्लॉक कराया जा सकता है।

बीएसपी : कोक ओवन बैटरी-7 के अस्थायी हीटिंग कार्य की औपचारिक शुरुआत

एजेंसी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में 'कोक ओवन बैटरी-7 और कोक ओवन बैटरी-8 के पुनर्निर्माण' परियोजना के तहत शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। आज कोक ओवन बैटरी-7 के अस्थायी हीटिंग कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। कोक ओवन बैटरी के औपचारिक लाइट-अप का शुभारंभ निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) चित्त रंजन महापात्र ने किया, जिससे हीटिंग प्रक्रिया की शुरुआत हुई। यह परियोजना सीओबी-7 और सीओबी-8 के लगभग पांच दशक पूर्व कमीशनिंग के बाद पहली बार की जा रही है जिसमें दोनों बैटरियों के डेक स्लैब को हटाकर पुनर्निर्माण किया गया। कार्य की जटिलता को देखते हुए इसके क्रियान्वयन में सूक्ष्म-स्तरीय योजना, महत्वपूर्ण गतिविधियों की पहचान, तथा सामग्री आपूर्ति की निरंतर वास्तविक-समय निगरानी आवश्यक रही, ताकि समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

टाटा मोटर्स के मुनाफे में 62 प्रतिशत की भारी गिरावट, आय भी घटी

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स का समेकित मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 62.19 प्रतिशत घटकर 4,003 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 10,587 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शुक्रवार को जारी पहली तिमाही के परिणाम में बताया कि इस दौरान परिचालन से प्राप्त आय भी 2.47 फीसदी कम होकर 1,05,926 करोड़ रुपये रह गयी। पिछले साल की समान तिमाही में यह आँकड़ा 1,08,612 करोड़ रुपये रहा था। टाटा मोटर्स ने बताया कि तिमाही के दौरान उसके सभी कारोबारों में संख्या के लिहाज से वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है जिसका असर वित्तीय परिणामों पर

पड़ा है। जगुआर लैंड रोवर की आय रुपये में 2.5 प्रतिशत और ब्रिटिश पाउंड में 9.2 प्रतिशत घट गयी। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की आय में 4.7 प्रतिशत और यात्री वाहनों की आय में 8.2 प्रतिशत की गिरावट आयी है। यात्री वाहनों के कारोबार में 129 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी ने कहा कि माँग के मोर्चे पर निकट भविष्य में भी स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रहने की संभावना है।

टाटा मोटर्स के समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी पी.बी. बालाजी ने कहा कि कड़ी चुनौतियों को बावजूद पहली तिमाही में कंपनी ने मुनाफा कमाया है। आयात शुल्क पर स्पष्टता और त्योहारी माँग आने से प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद है। कंपनी ने बताया कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच जगुआर लैंड रोवर ने लगातार 11वीं तिमाही में मुनाफा कमाया है। अच्छे मानसून और रेपो दरों में इस साल की गयी कटौती के कारण आने वाले समय में टाटा मोटर्स को वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। यात्री वाहनों की बिक्री में पहली तिमाही के अंत में कुछ अच्छी खबरें आयी हैं। टियेगो और अल्ट्रोज की बुकिंग जून में 22 प्रतिशत बढ़ी। हैरियर.ईवी को बाजार में उतारने के बाद उसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। जुलाई में ईवी की रिकॉर्ड मासिक बिक्री हुई।

रीगल रिसोर्सेस का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। रीगल रिसोर्सेस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 अगस्त को खुलेगा।कंपनी ने यहाँ जारी बयान में कहा कि उसने अपने आईपीओ के लिए प्रति इक्विटी शेयर 96 रुपये से 102 रुपये के बीच कीमत तय की है। हर शेयर का अंकित मूल्य पांच रुपये है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार, 12 अगस्त से खुलेगा और गुरुवार, 14 अगस्त को बंद होगा। निवेशक कम से कम 144 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और इसके बाद 144 शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ में फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल दोनों हैं। इसमें कंपनी के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह के शेयरहोल्डर 94,12,000 इक्विटी

शेयर बेचेंगे। नये शेयर जारी करने से प्राप्त 210 करोड़ रुपये में से 159 करोड़ रुपये तक का इस्तेमाल कंपनी के कुछ कर्ज को चुकाने या उसका आंशिक भुगतान करने के लिए होगा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मुख्यालय वाली रीगल रिसोर्सेस देश में मक्का आधारित विशेष उत्पादों की सबसे बड़ी विनिर्माताओं में से एक है।

रुपया तीन पैसे टूटा, 87.61 रुपये प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और शेयर बाजारों में गिरावट के कारण रुपया दबाव में रहा और उतार-चढ़ाव के बीच अंत में तीन पैसे टूटकर 87.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन मजबूत होकर 87.58 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज दो पैसे की

बढ़त के साथ 87.56 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। उतार-चढ़ाव के बीच यह 87.5250 रुपये और 87.75 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहा। कारोबार की समाप्ति पर तीन पैसे नीचे 87.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने आज भारतीय पूँजी बाजार से 58.896 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की जिससे रुपये पर दबाव रहा। हालाँकि दुनिया की अन्य छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के कमजोर पड़ने से रुपये की गिरावट सीमित रही।

दिवाली पर लंबी छुट्टी जाने वालों को राउंड ट्रिप के रेल किराये में छूट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने त्योहारी सीजन के दौरान लंबी छुट्टी जाने वालों के लिए राउंड ट्रिप (आने-जाने दोनों) का टिकट बुक कराने पर मूल किराये में 20 प्रतिशत छूट की घोषणा की है। रेलवे की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस योजना का उद्देश्य त्योहारों के दौरान भीड़-भाड़ को नियंत्रित करना, बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाना और ट्रेनों का कुशल परिचालन सुनिश्चित करना है। यात्री जाने और वापसी यात्रा की बुकिंग एक साथ कराने पर ही इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। दोनों यात्राओं के लिए यात्री विवरण, यात्रा श्रेणी तथा मूल और गंतव्य स्थान की जोड़ी समान होनी चाहिये।

इस योजना के अंतर्गत बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी और जाने की यात्रा 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर बीच की जा सकेगी, जबकि वापसी की यात्रा 17 नवंबर से एक दिसंबर के बीच शुरू होनी चाहिये। योजना के तहत बुकिंग के लिए अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) की 60 दिन की

सीमा लागू नहीं होगी। यात्रियों को वापसी यात्रा के मूल किराए पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। योजना के तहत बुकिंग सिर्फ कन्फर्म टिकटों मिलने पर ही करायी जा सकेगी। बुकिंग ऑनलाइन (आईआरसीटीसी वेबसाइट या ऐप) या रेलवे आरक्षण काउंटर के माध्यम से की जा सकती है, लेकिन दोनों यात्राओं की बुकिंग का माध्यम एक समान होना चाहिए। इस योजना में बुक टिकटों पर किराया वापसी या संशोधन की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। इसके अलावा, रेल यात्रा कूपन, वाउचर, पास या पीटीओ जैसी अन्य छूटें लागू नहीं होंगी।

रेलवे के अनुसार, यह योजना सभी श्रेणियों और ट्रेनों पर लागू होगी, जिसमें विशेष ट्रेनें (ऑन-डिमांड ट्रेनें) भी शामिल हैं, लेकिन फ्लेक्सी किराया वाली ट्रेनों को इस योजना से बाहर रखा गया है। रेलवे ने सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधकों को इस योजना को लागू करने और उसकी पुष्टि करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव करने तथा आईआरसीटीसी एवं कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन को सूचित करने को कहा गया है।

रेलवे बोर्ड के निदेशक (यात्री विपणन) प्रवीण कुमार ने बताया कि यह योजना रेल मंत्रालय के वित्त निदेशालय की सहमति से प्रारंभ की गयी है, जिसका उद्देश्य त्योहारी सीजन में यात्रियों को सस्ती और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। रेलवे ने सभी यात्रियों से समय पर बुकिंग कर इस योजना का लाभ लेने की अपील की है।

हुमा कुरैशी

के परिवार में कौन-कौन हैं एक्टर? बच्चों को लेकर डर में जीती थीं मां

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री हुमा कुरैशी के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. उनके चचेरे भाई आसिफ कुरैशी की दिल्ली में उनके घर के बाहर बेरहमी से हत्या कर दी गई है. इस खौफनाक वारदात के बाद से पूरा कुरैशी परिवार गहरे सदमे में है. हुमा का पूरा परिवार दिल्ली में रहता है, जहां उनके पिता सलीम कुरैशी का सफल रेस्तरां का कारोबार है. वहीं, उनके भाई आसिफ का मीट सप्लाई का बिजनेस थे.कुरैशी परिवार में हुमा पहली सदस्य हैं, जिन्होंने बिजनेस या नौकरी से हटकर एक्टिंग की राह चुनी और बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाई. अपनी बहन को मिली सफलता को देखते हुए उनके भाई साकिब सलीम ने भी एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमाने का फैसला किया. ये दोनों भाई-बहन अपने परिवार से दूर मुंबई में रहते हैं.

कारोबारी परिवार से आते हैं हुमा-साकिब

हुमा कुरैशी के पिता सलीम कुरैशी 'सलीम्स' नामक रेस्टोरेंट चेन के मालिक हैं, जो काफी मशहूर है. हुमा की मां अमीना एक सैलून चलाती हैं. हुमा के दो भाई हैं. हुमा के दो भाई नईम कुरैशी और हसीन कुरैशी ने खुद को एक्टिंग से दूर रखा है. वे दोनों अपने बिजनेस में व्यस्त हैं. हुमा के पापा सलीम कुरैशी ने बताया कि उनके भतीजे आसिफ मीट सप्लाई का बिजनेस करते हैं. वो दिल्ली के कई होटलों और रेस्तरां में चिकन और मीट सप्लाई करते थे.

डर गया था परिवार

शुरुआत में हुमा और साकिब के माता-पिता उनके अभिनय के सपने को लेकर हैरान और थोड़े डरे हुए थे, खासकर इसलिए क्योंकि उनका फिल्मी दुनिया से कोई संबंध नहीं था. उन्होंने फिर भी अपने बच्चों की इच्छा का सम्मान किया और उन्हें अपने सिनेमाई सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई जाने की अनुमति दे दी.

हाल ही मेंहुमा कुरैशी ने एक व्लॉग पर फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान के साथ बातचीत के दौरान इस बारे में खुलकर बात की. उन्होंने बताया, हमारी मां खासकर बहुत डरी हुई थीं, क्योंकि हम मुंबई में किसी को नहीं जानते थे. उन्होंने आगे कहा, हमारे माता-पिता दोनों को ये चिंता थी कि हम मुंबई में कैसे गुज़ारा करेंगे. मैंने सबसे पहले मेरे एक्टिंग करने के फैसले के बारे में उन्हें बताया और फिर छह महीने बाद मेरे भाई साकिब ने भी यही किया.

फिर सामने आने लगी कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी की खबर, वीडियो से लगा लोगों को पता, अनाउंसमेंट पोस्ट का खुला राज

बॉलीवुड के कुछ-कुछ कपल्स ऐस हैं, जो फैंस के साथ ही साथ इंडस्ट्री के भी पसंदीदा जोड़ियों में शामिल हैं. उनमें ही नाम शामिल है कटरीना कैफ और विकी कौशल का, जिन्होंने अपने रिश्ते को काफी वक्त तक लोगों की नजरों से छिपाया था. लेकिन, साल 2021 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे. हालांकि, शादी के काफी वक्त के बाद से लोगों का सवाल शुरू हुआ कि आखिर ये कपल गुड न्यूज कब देने वाला है, लेकिन अब लगता है कि उसका वक्त आ गया है.कटरीना कैफ का हाल ही में एक वीडियो काफी ज्यादा वायरल हो रहा है, जिसको देखने के बाद से ही एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबर को हवा मिलनी शुरू हो गई है. वीडियो को देखने के बाद से एक्ट्रेस के फैंस ने ये अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है कि कपल अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं. साथ ही सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की वीडियो के अलावा एक पोस्ट भी तेजी से सर्कुलेट हो रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि ये पोस्ट कटरीना-विकी की तरफ से उनकी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट है.

क्या है अनाउंसमेंट पोस्ट का सच ?

पोस्ट में केवल बेबी के वेलकम की ही नहीं बल्कि ये तक बात बता गई है कि अक्टूबर या नवंबर तक दोनों अपने पहले बच्चे का वेलकम कर सकते हैं. हालांकि, फैक्ट चेक के जरिए ये पता लगाया है कि प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट की ये पोस्ट बिल्कुल फेक है. दोनों ही एक्टर्स की तरफ से ऐसी कोई भी अनाउंसमेंट नहीं की गई है. वायरल वीडियो की बात करें, तो उस वीडियो में एक्ट्रेस ने काफी लूज व्हॉइट कलर की शर्ट पहनी हुई थी. जिसके बाद से इस तरह की खबरों को हवा मिल गई.

एक्ट्रेस की पब्लिक अपीयरेंस है कम

हालांकि, कटरीना और विकी कौशल को लेकर इस तरह की खबर कई बार पहले भी फैल चुकी हैं. लेकिन, इस बार लोगों को इस खबर के सच होने के आसार काफी ज्यादा लग रहे हैं. हालांकि, इसमें कितनी सच्चाई है वो तो एक्टर्स ही बता सकते हैं. फिल्मों की बात करें, तो कटरीना पिछली बार 'मेरी क्रिसमस' में दिखी थीं, जो कि जनवरी, 2024 में आई थी. उसके बाद से एक्ट्रेस लोगों के बीच भी काफी कम बार दिखीं. कपल की बात की जाए, तो ये साथ में एक्टर की फिल्म 'छावा' के प्रीमियर पर साथ दिखे थे.

सलमान खान के क्लोदिंग ब्रांड के लिए साथ आया परिवार, फोटोशूट में दिखा स्टाइलिस्ट अंदाज

सलमान खान हमेशा अपने परिवार के लिए खड़े नजर आते हैं. उन्होंने अपने भाईयों से लेकर परिवार के बच्चों तक के करियर को संवारने की कोशिश की है. इसी बीच सलमान ने एक फोटो शेयर किया है, जिसमें वो अपने तीनों भाई, बड़ी बहन और परिवार के बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं.

सलमान खान की फिल्मों के साथ-साथ उनका परिवार भी हमेशा सुर्खियों में छाया रहता है. सलमान हमेशा अपनी फिल्मों और अपने बिजनेस में अपने परिवार के लोगों को अक्सर शामिल करते हैं. हाल ही में सलमान खान ने अपने क्लोदिंग ब्रांड के लिए एक नया फोटोशूट करवाया है. इस फोटोशूट में सुपरस्टार के साथ उनके परिवार के लोग भी नजर आ रहे हैं, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक नया पोस्ट शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की है. सलमान के अलावा इस फोटो शूट में सलमान के भाई सोहेल और उनका बेटा निर्वाण, भाई अरबाज और उनका बेटा अरहान, बहन अलवीरा और उनका बेटा अयान और बेटी अलिजेह भी नजर आ रहे हैं.

सलमान खान का क्लोदिंग ब्रांड

सलमान खान ने अपने परिवार के साथ ये फोटोशूट अपने क्लोदिंग ब्रांड के लिए करवाया है. इस फोटोशूट को शेयर करते हुए सुपरस्टार ने लिखा, 'इससे फर्क नहीं पड़ता है कि हम कितने अलग हैं, हम एक दूसरे के साथ सही हैंय यह बात आपकी अलमारी भी कहती है. वहां सभी कपड़े एक साथ होते हैं. हमारे यहां हर तरह के कपड़े हैं.' सलमान खान ने अपने पोस्ट में कई ब्रांड को टैग किया है.

स्टाइलिस्ट अंदाज में दिखा खान खानदान

सलमान का शेयर की गई तस्वीर को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं. खान खानदान के सभी बच्चे कूल अवतार में नजर आ रहे हैं. सभी का स्टाइलिस्ट अंदाज ये साबित कर रहा है कि सलमान के क्लोदिंग ब्रांड का कलेक्शन शानदार होने वाला है.

फैन्स सलमान और उनके परिवार की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं. यूजर्स सलमान के लिए लिख रहे हैं कि वो हमेशा अपने परिवार को साथ लेकर चलते हैं. एक यूजर ने उन्हें फैमली मैन कहा तो एक यूजर ने लिखा, सलमान एक्टर होने के साथ-साथ एक बिजनेसमैन भी हैं.

माधुरी दीक्षित

की खूबसूरती को देखते ही इस एक्टर ने कर ली थी फिल्म साइन, नहीं ली कोई फीस

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने अपनी एक्टिंग के साथ ही फैंस को अपने डांस और खूबसूरती से भी दीवाना बनाया है. माधुरी दीक्षित की खूबसूरती पर भी तमाम फैंस फिदा रहे हैं. एक एक्टर तो ऐसा भी रहा है, जिसने माधुरी की खूबसूरती को देखते ही फिल्म साइन कर ली थी. हैरानी की बात तो ये है कि एक्टर ने उस पिक्चर के लिए कोई फीस भी नहीं ली थी. तो चलिए जानते हैं कि वो अभिनेता कौन है ?माधुरी दीक्षत ने बॉलीवुड में 40 साल पहले अपनी शुरुआत की थी. चार दशक पहले उन्होंने साल 1984 की पिक्चर 'अबोध' से डेब्यू किया था. करियर की शुरुआत में ही उन्होंने अभिनेता शेखर सुमन के साथ काम किया था. दोनों फिल्म 'मानव हत्या' (1986) में नजर आए थे. लेकिन वो पहले इस फिल्म में काम करने के लिए राजी नहीं थे.

माधुरी की खूबसूरती को देखते ही साइन की फिल्म

कुछ साल पहले दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में शेखर सुमन ने बताया था कि फिल्म 'मानव हत्या' के डायरेक्टर सुदर्शन के रतन ने उन्हें फोन किया था. उन्होंने फिल्म ऑफर की. लेकिन, उन्होंने कहा था कि पैसे नहीं दे पाऊंगा. अभिनेता के मुताबिक डायरेक्टर एक तो उन्हें पैसे नहीं दे रहे थे और ऊपर से हीरोइन (माधुरी दीक्षित) भी उस समय नई थी.

सुदर्शन ने शेखर को बताया था कि एक्ट्रेस नई है और उन्होंने राजश्री के साथ अबोध में काम किया है. शेखर ने कहा, पैसे देंगे नहीं, हीरोइन भी जमी जमाई नहीं है, तब कैसे करूंगा. लेकिन, इसके बाद जब उन्होंने माधुरी को देखा तो उनका मन बदल गया. फिर सुदर्शन ने पूछा, काम करोगे ? इस पर अभिनेता ने कहा, खूबसूरत है, दौड़ते हुए काम करूंगा.

भदोही: बिहार जा रही एम्बुलेंस खड़े कंटेनर से टकराई, दो महिलाओं की मौत

दुर्घटना में छह घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद में कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार को शव लेकर बिहार जा रही एम्बुलेंस राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गोपपुर में खड़े कंटेनर में पीछे से जा टकराई। इस हादसे में एम्बुलेंस में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल और ट्रामा सेंटर वाराणसी में भर्ती कराया गया है।

एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि बिहार के गया के गोडारो निवासी वरुण कुमार (45) दिल्ली में एक कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे।बीती आठ अगस्त को वरुण एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान उनका दिल्ली के एम्स अस्पताल में मौत हो गई। परिजन मृतक का शव एम्बुलेंस से बिहार के गया लेकर जा रहे थे। गोपीगंज से आगे बढ़ते ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओबीटी कम्पनी के पास गोपपुर में खड़े कंटेनर में

एम्बुलेंस जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एम्बुलेंस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे लोगों में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई है।

एसपी ने बताया कि मृतकों की पहचान मृतक वरुण की पत्नी ममता(40) और उनकी बहन बेबी(45) पत्नी परमेश के रूप में हुई हैं। वहीं इस हादसे में रमेश(45) पुत्र त्रिवेदी निवासी बरई बरादह (गाजीपुर), उत्तम(30) पुत्र शंकर निवासी खोड़ा (गाजियाबाद), राजा (35) निवासी बेगूसराय और अजित कुमार (28) निवासी बेगूसराय घायल हो गए। इनके अलावा कंटेनर चालक सूरज (32) निवासी अछल्दा (औरैया) और खलासी मोहम्मदअफसर (23) निवासी कछौरा गंभीर रूप से घायल हो गए। पूछताछ में पता चला है कि कंटेनर फरीदाबाद से कोलकाता जा रहा था।

एसपी ने बताया कि घटना की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने त्वरित राहत कार्य कराते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल महाराजा चेतसिंह रेफर कर दिया गया। घायलों में दो की हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया गया है। बाकी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। वहीं मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की जा रही है।

श्रीराम मंगलावतार हैं और श्रीरामचरित मानस उनका ग्रंथावतार : डॉ. जनार्दन उपाध्याय

अयोध्या। श्रीराम मंगलावतार हैं और श्रीरामचरित मानस भगवान श्रीराम का ग्रंथावतार है। ऐसा विद्वानों का मत है। यह धार्मिक, अध्यात्मिक, भौतिक, प्रयोग और अनुप्रयोग के धरातल पर समय-समय पर सिद्ध भी होता रहा है। ये विचार तुलसी साहित्य के मर्मज्ञ डॉ. जनार्दन उपाध्याय ने व्यक्त किए।

डॉ उपाध्याय अखिल भारतीय साहित्य परिषद, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अवधी भाषा विभाग व अमर शहीद संत कंवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास पखवाड़े के अवसर पर आयोजित व्याख्यान एवं कवि गोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। अवध विवि के सिंधी अध्ययन केंद्र के सभागार में आयोजित व्याख्यान का विषय गोस्वामी तुलसी दास का लोक चिंतन था।

डॉ. उपाध्याय ने कहा कि भारतीय आर्ष ग्रंथों में जिस प्रकार से काव्य व कथा दोनों प्रकार के वैभव निहित हैं, ठीक उसी प्रकार से गोस्वामी जी के साहित्य में भी यह अनुशासन देखने को मिलता है। कविता में कोई बंद (कविता का एक भाग) बार-बार सुनने की इच्छा होती है और कथा में आगे की कथा जानने की जिज्ञासा होती है। ये दोनों तत्व गोस्वामी जी के ग्रंथों में विशेष रूप से श्रीरामचरित

मानस में समाहित हैं।

उन्होंने तुलसी साहित्य में लोक चिंतन पर कहा कि किसी भी मनीषी की रचना के तीन तत्व प्रमुख होते हैं। एक आध्यात्मिक-धार्मिक चिंतन, दूसरा काव्य और तीसरा लोक मंगल की भावना। भगवान श्रीराम तो मंगलावतार हैं। उनका पूरा जीवन ही लोक कल्याण को ही समर्पित है। उनकी कथा भी उनके चरित्र के अनुरूप ही होगी। गोस्वामी जी ने तो लोक को प्रथम रखा और लोकभाषा में ही अपनी रचनाएं कीं।

व्याख्यान की भूमिका बीएनकेबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अकबपुर अंबेडकरनगर के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि गोस्वामी जी का कालखंड ऐसा था कि देश के राजे-रजवाड़े जिन पर लोक हित की चिंता का दायित्व था, वे कंचन-कामिनी में फंसे थे, ऐसे में गोस्वामी जी ने लोकभाषा में एक आशा का संचार किया और भगवान राम के धनुधारी रूप को लोकमंगलकारी स्वरूप जन मानस के समक्ष लोकभाषा में अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। पूरे देश में जिस प्रकार से धर्मांतरण और शोषण का कुचक्र विदेशी आक्रांता शासक चला रहे थे, उस काल में एक जागृति उत्पन्न की।

व्याख्यान के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत साकेत महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ असीम त्रिपाठी व सिंधी अध्ययन केंद्र के सलाहकार ज्ञानप्रकाश टेकचंदानी सरल ने किया। कार्यक्रम का आरंभ संस्था के संरक्षक प्रो. लक्ष्मीकांत सिंह की वाणी वंदना से हुआ। कार्यक्रम का संचालन अवधी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रत्याशा मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन राम प्रकाश त्रिपाठी ने किया। सहायक आचार्य कपिल कुमार, नीलम वरियानी व सीतू वरियानी सहित अन्य उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मकबरा पर हिन्दू संगठनों ने फहराया भगवा, स्थिति तनावपूर्ण

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार को आबूनगर रेडाइया स्थित दो सौ वर्ष पुराने ऐतिहासिक मकबरा की इमारत को ठाकुरजी का मंदिर बताते हुए हिन्दू संगठनों के युवकों ने वहां भगवा झंडा फहरा दिया है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वहां बनी मजारों में तोड़फोड़ की और जमकर हंगामा किया। इसके बाद से यहां की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। प्रशासनिक अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर हैं।

विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और भाजपा नेताओं के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर मकबरा इलाके में घुस गए। यह भारी भीड़ पुलिस प्रशासन की तीन किलोमीटर के दायरे में तीन जगह लगी बैरिकेडिंग को तोड़ते मकबरा स्थल तक पहुंच गए। भगवा झंडे लिए इन युवकों ने जमकर हंगामा किया और

मकबरे पर भगवा झंडा लगा दिया। युवकों ने वहां बनी मजारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है।

बताया गया कि इस हरकत को लेकर मुस्लिम पक्ष ने विरोध किया तो मारपीट और पथराव शुरू हो गया। इस पर पुलिस ने हिंदू संगठनों के लोगों को बाहर कर मकबरे पर लगा भगवा झंडा उतार कर माहौल को शांत करने का प्रयास किया। मौके पर दोनों पक्षों के लोगों ने जमकर नारेबाजी की। जिले के तमाम प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद हैं। दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं

अमेठी : सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में रविवार रात भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के जगदीशपुर अयोध्या नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक पूरी तरह जल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई।

थाना प्रभारी तनुज पाल ने बताया कि बीती रात पूरे प्रेम गांव के पास तेज रफ्तार कंटेनर और बाइक की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चालक की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने देखा कि कंटेनर में बाइक फंसी हुई है। ड्राइवर कंटेनर को लेकर आगे बढ़ रहा है। सड़क पर बाइक घिसते हुए जा रही थी। जिसके कारण बाइक में आग लग गई और बाइक धू धू कर जलने लगी। इसी समय कंटेनर का ड्राइवर गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पहचान कराने में जुट गई। युवक के पास से प्राप्त कागजों के आधार पर युवक की पहचान रंजीत (32) निवासी मड़वा कोतवाली जगदीशपुर जनपद अमेठी के रूप में हुई। घरवालों को सूचना देने के बाद पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कंटेनर को भी कब्जे में ले लिया है ड्राइवर की तलाश की जा रही है। जल्द ही ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

केवल औपचारिकता पूर्ति वाला न हो यूपी विधानसभा सत्रः मायावती

राजनीतिक स्वार्थ, द्वेष व कटुता को त्यागकर आगे बढ़ने की जरूरत पर दिया जोर

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि आज से उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हुआ है। यह सत्र संक्षिप्त होने के बावजूद केवल औपचारिकता पूर्ति वाला न हो, बल्कि इसको सही से प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना जरूरी है। इसके लिए सरकार एवं विपक्ष दोनों को अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ, द्वेष व कटुता आदि को त्याग कर आगे बढ़ना होगा।

मायावती ने आज एक्स पर पोस्ट करते ?हुए लिखा कि संसद का जो अभी मानसून सत्र चल रहा है उसके भी पूरी तरह शान्तिपूर्ण तरीके से नहीं चलने से वह जन अपेक्षा के अनुसार सही से कार्य

नहीं कर पा रहा है। इस कारण जनता व देश के ज्वलन्त मुद्दों पर पूरी गंभीरता से चर्चा नहीं हो पाने से लोगों में चिन्ता स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वैसे भी भारतीय व्यापार पर भारी अमेरिकी टैरिफ के कारण देश की अर्थव्यवस्था व विकास पर जो बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है, उसकी चर्चा व्यापक रूप से हर जगह गर्म है।

इस पर खास तौर से संसद में सही से चिन्तन-मनन करने की जरूरत है, क्योंकि यह देश के ह्यअच्छे दिनह्ण से जुड़ा देशहित का खास मुद्दा है तथा जिसे हल्के में लेकर देश के भविष्य को दाव पर नहीं लगाया जा सकता है। सरकार व विपक्ष दोनों इस पर उचित व समुचित ध्यान दें।

बसपा प्रमुख ने कहा कि चाहे वोटर व वोटर सूची तथा उसके रिवीजन एवं ईवीएम आदि से सम्बंधित देश, जनहित एवं लोकतंत्र से जुड़े मामलों में जो किस्म-किस्म की बातें देश में चल रही हैं। उन संदेहों को अवश्य ही यथाशीघ्र दूर किया जाए तो यह बेहतर होगा।

औरैया: पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जनेतपुर खेरा में सोमवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ पर लटकता मिला। मृतक की पहचान सोनू राजपूत (27) पुत्र सुंदर राजपूत के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही सदर कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शव को पेड़ से उतारकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में दहशत और चचाओं का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ से हस्तशिल्प निर्यात मंदी की ओर: अवधेश अग्रवाल

मुरादाबाद। मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के महासचिव अवधेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा लगाये गए टैरिफ के कारण सम्पूर्ण भारत का अमरीका को किये जाने वाला हस्तशिल्प निर्यात मंदी की ओर अग्रसर हो गया है। इस टैरिफ के हिसाब से मुरादाबाद के निर्यात कारोबार को लगभग 3000 करोड़ का नुकसान लग रहा है।

अवधेश अग्रवाल ने आगे कहा कि यूएस के बड़े इम्पोर्टर टारगेट, एमेजन आदि ने अपने आर्डर होल्ड पर डाल दिए हैं व यह भी अस्पष्ट रूप से जानकारी मिल रही है कि टीजेमैक्स, रोज ने भी अपने आर्डर्स को होल्ड करवाना शुरू कर दिया है। इन सब के परिणाम स्वरूप मुरादाबाद का हस्तशिल्प निर्यात व निर्यातकों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है, काम रुकने से बेकारी बढ़ेगी और नौकरियां जाएंगी। साथ ही साथ निर्यातकों की दृष्टि अब नये अंतराष्ट्रीय बाजारों को खोजने मे लगी है व घरेलू बाजार मे भी संभावनाएं ढूंढी जा रही है। अभी के हिसाब से मुरादाबाद के निर्यात कारोबार को लगभग 3000 करोड़ के कारोबार का नुकसान लग रहा है।

सपा विधायकों ने विधान भवन में दिया धरना

लखनऊ। विधानसभा सत्र से पहले समाजवादी पार्टी के विधायकों ने सोमवार को विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया और सरकार विरोधी नारेबाजी की। वहीं समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान धनुष लेकर विधान भवन पहुंचे। सपा विधायक इंजीनियर सचिन यादव दीक्षांत समारोह का गाउन पहनकर पहुंचे। उनके गाउन पर युवाओं के बेरोजगारी जैसे मुद्दे लिखे हुए थे। समाजवादी पार्टी ने सरकार को हर मुद्दे पर कठघरे में खड़ा किया। सपा विधायकों का कहना है कि इस सरकार में किसान परेशान है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। उल्लेखनीय है आज सुबह 11:00 बजे से विधानमंडल का सत्र आरंभ हो रहा है।

नि:शुल्क दोना पत्तल एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन टूल किट्स को साक्षात्कार 12 अगस्त को

प्रयागराज। नि:शुल्क दोना पत्तल एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन टूल किट्स वितरण के लिए साक्षात्कार 12 अगस्त को होगा। यह टूल किट वितरण उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड करेगा। यह जानकारी सोमवार को जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रयागराज जवाहर लाल दी।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष-2025-26 में ग्रामोद्योगी टूल्स-किट वितरण योजना के तहत जनपद प्रयागराज को दोना पत्तल एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन वितरण किये जाने जनपद को 10-10 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस संबंध में इस कारोबार को करने के इच्छुक लोगों से आवेदन मांगा गया था। इसी क्रम में लोगों ने आवेदन किया है। जिनका साक्षात्कार -12 अगस्त को समय 11.00 बजे जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय विकास भवन

प्रयागराज के कमरा नम्बर-37 में परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी , प्रयागराज मण्डल प्रयागराज की अध्याक्षता में गठित चयन समिति द्वारा साक्षात्कार लेगी। अतः दोना पत्तल एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन टूल किट्स हेतु आवेदन किये गये लाभार्थियों को सूचित किया जाता है, कि टूल किट्स चयन के लिए 12 अगस्त को समय 10.00 बजे जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय विकास भवन प्रयागराज के कमरा नम्बर-37 में साक्षात्कार रखा गया हैं। समस्त लाभार्थी साक्षात्कार के आधार कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र एवं योग्यता प्रमाण-पत्र सहित साक्षात्कार में प्रतिभाग करें।

ऑनर किलिंग : पहले प्रेमी की हत्या फिर राखी बंधवाकर भाई ने बहन को उतारा मौत के घाट

झांसी। उप्र के झांसी में दो थाना क्षेत्रों के अलग-अलग स्थानों पर प्रेमी-प्रेमिका की हत्या के मामले में पुलिस की विवेचना में रविवार की देर रात बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस की विवेचना में सामने आया है कि युवती के भाई ने ही अपने साथियों संग पहले बहन के प्रेमी को नौकरी के बहाने ले जाकर मौत के घाट उतारा उसके बाद बीते रोज अपनी बहन से राखी बंधवाने के बाद दवा दिलाने के बहाने ले जाकर उसकी भी हत्या कर दी। तीन दिन पहले लहचूरा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव नदी किनारे मिला था, वहीं रविवार को उसकी प्रेमिका का शव गरौठा थाना क्षेत्र की पहाड़ी पर मिलने के बाद हरकत में आई पुलिस द्वारा आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद यह खुलासा हुआ।

गौरतलब है कि रविवार को जिले के गरौठा थाना क्षेत्र के चंद्रपुरा गांव स्थित पहाड़ी पर 18 वर्षीय पुत्तो नामक किशोरी का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में सामने आया कि लड़की का सिर मुंडा कर उसकी हत्या की गई। इससे पहले, दो दिन पूर्व लहचूरा थाना क्षेत्र के ग्राम गुढ़ा में विशाल नामक युवक का शव नदी किनारे खून से लथपथ हालत में मिला था। मृतक टहरौली थाना क्षेत्र के ग्राम पथराई का रहने वाला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे, जिसकी भनक दोनों के परिजनों को पहले ही लग चुकी थी। दोनों पूर्व में घर से भाग चुके थे और उस समय गरौठा पुलिस ने उन्हें बरामद किया था। मृतक युवक के पिता का आरोप है कि इस मामले को रफा-दफा करने के लिए पुलिस ने फरवरी माह में 45 हजार रुपये भी लिए थे। स्थानीय लोगों का मानना है कि दोनों की हत्या आपसी रंजिश और परिजनों की नाराजगी के चलते की गई है। इस मामले में युवक के पिता ने चंद्रपुरा निवासी अरविन्द उर्फ गुल्ले व प्रकाश प्रजापति के खिलाफ उसके बेटे विशाल को दिल्ली में नौकरी दिलाने के बहाने ले जाकर हत्या करने की शिकायत की थी इस पर लहचूरा थाना पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। आज मृतका के पिता ने भी तहरीर देकर अपने पुत्र अरविंद, प्रकाश प्रजापति व उसके साथियों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया।

सेना के सम्मान में डीएम के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस पूर्व निकली भव्य तिरंगा यात्रा

जौनपुर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद और स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पूरे प्रदेश में सेना के सम्मान में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार सुबह कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का

आयोजन किया गया।

यात्रा में जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, मदरसों के छात्र-छात्राएं, दिव्यांग बच्चे, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं तिरंगा हाथ में लेकर शामिल हुईं।

कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ हुई यात्रा लाइन बाजार चौराहे से होते हुए सबसे पहले गांधी तिराहे पहुँची, जहां जिलाधिकारी सहित अधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद यात्रा आगे बढ़ते हुए अंबेडकर तिराहे पहुँची, जहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का समापन किया गया।

इस अवसर पर डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा, ह्यऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना के सम्मान में स्वतंत्रता दिवस पूर्व सभी जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। जौनपुर, जिसे शिराज-ए-हिंद के नाम से जाना जाता है, में लोगों का जोश और जनसैलाब अद्वितीय है। विशेष रूप से अल्पसंख्यक विभाग के स्कूलों के बच्चों की सहभागिता सराहनीय रही।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397